CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-210
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

आप केवल खड़े होकर पानी को घूर कर समुद्र पार नहीं कर सकते। - रविंद्रनाथ टैगोर

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 05 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

बच्चों को खेलने के लिए हरे-भरे मैदानों की जरूरत, नहीं तो वे वीडियो गेम ही खेलते रहेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बच्चों के मनोरंजन के लिए हरे-भरे जगहों को संरक्षित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि खेलने और साफ वातावरण में सांस लेने के लिए अच्छे जगहों के अभाव में बच्चों के पास वीडियो गेम खेलने के अलावा और कोई उपाय नहीं बचेगा। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने शहरी नियोजन के तरीकों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की नगर नियोजन एजेंसी, सिटी एंड इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की एक याचिका को खारिज कर दिया जिसमें एक खेल परिसर को नवी मुंबई से 115 किलोमीटर दूर रायगढ़ में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि ये हमारे शहरों के कुछ आखिरी फेफड़े हैं। हमें इन स्थानों को संरक्षित करना चाहिए। आप बिल्डरों या किसी और कार्य के लिए हरे-भरे इलाकों को नहीं दे सकते। प्रस्ताव में नवी मुंबई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को रायगढ़ के नानोर गांव में ले जाने की बात शामिल था। इसे पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की तर्ज पर बनाया गया था। कोर्ट ने इस फैसले को खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें ट्रांसफर के फैसले को पूरी तरह से मनमाना करार दिया गया था। हाईकोर्ट ने प्रभावी रूप से घनी आबादी वाले

नवी मुंबई क्षेत्र से कॉम्प्लेक्स को ट्रांसफर करने के 2021 के महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव को रद्द कर दिया था।

सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने बाद में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का स्थान नवी मुंबई के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरा करता है और इसे स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए। बेंच ने कहा, एक तरफ हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे स्वस्थ जीवन जिएं। नहीं तो वो सिर्फ वीडियो गेम खेलते रहेंगे। मुंबई और नवी मुंबई में बच्चों के खेलने के लिए कोई और जगह नहीं है। उनके लिए ये जगह होनी चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा, आप बच्चों से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए 115 किलोमीटर का सफर करने के लिए कैसे कह सकते हैं? अगर आपको लगता है कि रायगढ़ में भी एक खेल परिसर होना चाहिए तो आपको इसके बजाय एक अतिरिक्त खेल परिसर बनाना चाहिए।

धर्म बदलने वाले दलितों को नहीं दिया जाएगा एससी का दर्जा!

नई दिल्ली। धर्म बदलने वाले दलितों को बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि एनसीएससी यानी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग धर्मांतरण कर इस्लाम और ईसाई धर्म अपनाने वालों को एससी का दर्जा देने का विरोध करेगा। खबर है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में धर्मांतरण करने वाले दलितों को एससी दर्जा देने की जांच कर रहे जांच आयोग को 1 साल का विस्तार दिया है।

एक इंटरव्यू में एनसीएससी के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कहा है कि अनुच्छेद 341 के तहत संविधान (अनुसूचित जनजातियों) आदेश, 1950 में कहा गया है कि हिन्दू, सिख या बौद्ध के अलावा किसी भी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति को एससी समुदाय का सदस्य नहीं माना जा

सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 1950 का राष्ट्रपति का आदेश कहता है कि हिन्दू, सिख और बौद्ध समुदाय के दलितों को एससी सूची का सदस्य माना जा सकता है।

2022 में बना था जांच आयोग- केंद्र ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्ण की अगुवाई वाले जांच आयोग का गठन अक्टूबर 2022 में किया था। अब केंद्र सरकार ने जांच आयोग को एक साल का और समय दिया है, ताकि यह पता चल सके कि धर्मांतरण करने वाले सभी दलितों को एससी का दर्जा दिया जा सकता है या नहीं।आयोग का गठन इन संभावनाओं पर विचार के लिए किया गया था कि ऐतिहासिक रूप से एससी समुदाय से आने वाले ऐसे लोगों को एससी दर्जा दिया जा सकता है या नहीं, जो अब धर्म बदल चुके हैं। आयोग को 10 अक्टूबर 2024 तक रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए गए थे।

एससी में शामिल होने का सवाल ही खत्म- इंटरव्यू में मकवाना ने बताया कि आरक्षण व्यवस्था जाति आधारित है। उन्होंने कहा कि धर्म बदलने वाले अब हिन्दू नहीं हैं, तो संविधान की व्याख्या के अनुसार अब उनका अनुसूचित जाति में शामिल होने का सवाल ही खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण करने वाले दलितों को एससी का टैग देना धर्मांतरण को भी बढ़ावा देगा। यह एससी समुदाय के लोगों के साथ बड़ा अन्याय होगा।

आंबेडकर और एससी समुदाय के लिए धोखा- मकवाना ने कहा कि अगर धर्मांतरण करने वालों को एससी का दर्जा दिया जाता है, तो डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की तरफ से किए गए प्रयासों का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंबेडकर और पूरे एससी समुदाय के साथ धोखा होगा। खबर है कि कई दलित समूह धर्मांतरण करने वाले दलितों को एससी दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

छठ पूजा में शामिल होंगे 15 करोड़ से अधिक लोग

96 घंटे में होगा 12 हजार करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल के मुताबिक, इस वर्ष छठ पूजा के 96 घंटे यानी चार दिनों में देश भर में लगभग 12 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। कपड़े, फल, फूल, सब्जी, साड़ियों एवं मिट्टी के चूल्हे सहित छोटे उत्पादों के व्यापार में बड़ा उछाल देखा जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार, देश भर में लगभग 15 करोड़ से अधिक लोग छठ पूजा में शामिल होंगे। खंडेलवाल के मुताबिक, 5 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होकर 8 नवम्बर तक चलने वाले चार दिवसीय छठ पूजा महोत्सव के दौरान बिहार एवं झारखंड के अलावा देश के अन्य राज्यों में बसे पूर्वांचल के लोग बेहद उत्साह एवं उमंग के साथ छठ पूजा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 15 करोड़ से अधिक लोग छठ पूजा में शामिल होंगे, जिनमें स्त्री, पुरुषों

के अलावा युवा एवं बच्चे सभी शामिल हैं। कैट, जो कि हर त्योहार के बिक्री के आंकड़े जारी कर रहा है, ने छठ पूजा की बिक्री के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि छठ पूजा के त्योहार पर देश भर में लगभग 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार की उम्मीद है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया, बिहार एवं झारखंड के अलावा यह त्योहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ विदर्भ एवं मध्य प्रदेश में भी बड़े जोर शोर से मनाया जाता है। वजह, इन सभी राज्यों में पूर्वांचल के लोग बड़ी संख्या में काम करते हुए अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। यह भारत की संस्कृति एवं सभ्यता है कि जहां छठ पूजा के दौरान उगते सूर्य के साथ पहले डूबते सूर्य की पूजा की जाती है, जो इस बात को स्पष्ट दर्शाता है कि उगते के साथ तो सब होते हैं लेकिन भारत के लोग डूबते का भी सहारा बनते हैं। इसमें भी अपनी खुशियां खोजते हैं।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों का हमला, श्रद्धालुओं को पीटा

ब्रैम्पटन। कनाडा के ब्रैम्पटन में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस घटना की कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। घटना के बाद से इलाके में तनाव है। भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। पील रीजनल पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है।

आसमान से जमीन पर गिरा वायु सेना का मिग-29 विमान

पायलट और को-पायलट ने कूदकर बचाई जान

आगरा। आगरा में सोमवार को वायु सेना का विमान मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। वायुसेना की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तकनीकि खराबी आने से ये हादसा हुआ। इस पूरा हादसे की जांच कराई जाएगी। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद पायलट और उसके साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रैश होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। यह मिग-29 विमान था, जो पंजाब के आदमपुर से उड़ा था। थाना कागरोल क्षेत्र के गांव बघा और बहा के बीच में किसान बॉबी के खेत में यह विमान क्रैश हुआ है।

स्थानीय निवासी अजय चाहर ने बताया कि विमान उनके गांव नारोल के ऊपर होकर गुजरा था, पायलट की सूझबूझ से विमान गांव पर नहीं गिरा नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियां ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। भारतीय वायुसेना ने जारी बयान में कहा कि एक मिग-29 विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सिस्टम में खराबी आने के बाद आगरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

कोलकाता के आरजी कर कॉलेज रेप-मर्डर केस में 87 दिन बाद आरोप तय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी। सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मिली थी। घटना के विरोध में डॉक्टरों ने 42 दिन तक प्रदर्शन किया था। सेंट्रल सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में संजय रॉय को मुख्य आरोपी बताया है। इसके अलावा केस को गैंगरेप की बजाय रेप केस बताया है। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि पीड़ित के शरीर से मिला सीमन सैंपल और खून आरोपी से मैच हो चुका है। वहीं क्राइम सीन पर मिले छोटे बाल भी फोरेंसिक जांच के बाद आरोपी के बालों से मैच हो गए हैं। चार्जशीट में 100 गवाहों के बयान, 12 पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन जैसी चीजें शामिल हैं। इसके अलावा वारदात के दिन आरोपी का इयरफोन और मोबाइल ब्लूटूथ से कनेक्ट हो गया था। इसे भी चार्जशीट में अहम सबूत माना गया है।

यूपी, पंजाब और केरल की 14 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अब 20 को

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को त्योहारों के मद्देनजर उत्तरप्रदेश, पंजाब और केरल में विधानसभा उपचुनावों की तारीख बदल दी। अब यहां 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। उत्तरप्रदेश में नौ, पंजाब में चार और केरल में एक सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान होना है। नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस, भाजपा बसपा और राष्ट्रीय लोक दल सहित कई दलों ने विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर आयोग से चुनावों की तारीख पुनर्निर्धारित करने का आग्रह किया था। उनका कहना था कि 13 नंवबर को चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस ने कहा था कि केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट पर बड़ी संख्या में मतदाता 13 से 15 नवंबर तक कल्पती रथोत्सवम का त्योहार मनाएंगे। पंजाब में श्री गुरु नानक देव का 555वां प्रकाश पर्व 15 नवंबर को मनाया जाएगा और 13 नवंबर से अखंड पाठ का

आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा से तीन-चार दिन पहले लोग यात्रा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को होगी। जिन सीटों के उपचुनाव की तारीखों में बदलाव किया गया है, उनमें केरल की पलक्कड़ सीट शामिल है। इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, गिद्दरबाहा और बरनाला विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीख बदल दी गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, सीशामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझगवां में मतदान की तारीख में बदलाव किया गया है।

सीएम मोहन यादव ने झारखंड में किया चुनाव प्रचार, कांग्रेस और सोरेन पर साधा निशाना

झारखंड में कांग्रेस और सोरेन की सरकार आई तो कश्मीर जैसे होंगे हालत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोमवार को झारखंड में कांके विधानसभा में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने निशाना साधते कहा कि झारखंड में कांग्रेस और सोरेन की सरकार आई तो झारखंड में कश्मीर जैसे हालत होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस झारखंड में कश्मीर जैसे हालत ला देगी। यहां के स्थानीय लोगों का हक मारा जा रहा है। सात प्रतिशत हिंदू कम हो गए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव झारखंड पहुंचे। उन्होंने रांची जिले की कांके विधानसभा के प्रत्याशी डॉ जीतू चरण राम के समर्थन में एसीसी ग्राउंड खलारी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में 40 हजार लोगों की हत्याओं का

पाप किया है। झारखंड में स्थानीय लोगों का हक मारा जा रहा है। सात प्रतिशत हिंदू कम हो गए हैं। आदिवासी 40 से 48 प्रतिशत से कम होकर 28 प्रतिशत रह गए। अगर झारखंड में कांग्रेस और सोरेन की सरकार आई तो कश्मीर जैसे हालत होंगे।

झारखंड में बेईमानों की सरकार- सीएम डॉ यादव ने कहा कि झारखंड में बेईमानों की सरकार है। झारखंड का चुनाव आम चुनाव नहीं है। यह इलेक्शन ईमानदारी और बेइमानी का है। एक तरफ सारे बेईमान हैं। दूसरी तरफ रामराज्य का सपना सच करने वाले हैं। वहीं सीएम ने झारखंड की जनता से बीजेपी सरकार बनाने की अपील की है।

आगे होली दिवाली मनानी है या नहीं- सभा को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि मैं आपको डरा नहीं रहा हूं लेकिन यह चुनाव इस बात का है कि हमें अपने देवी-देवताओं की पूजा, और होली दीवाली आगे मनाना है कि नहीं? ये घुसपैठिए आएंगे तो जो हाल वहां होने वाले हैं, ये दुर्भाग्यशाली यहां कराने वाले हैं। कांग्रेस और उनके चट्?टे-बट्टे एक के भी मुंह से नहीं निकला कि वहां अपने हिन्दुओं का नरसंहार हो रहा है। इनको हिन्दुओं को बचाना चाहिए, क्योंकि वोट के भूखे हैं। ये एकमात्र बात जानते हैं कि ऐन-केन प्रकारेण केवल सत्ता और कुर्सी पकड़ो। इसलिए वो सारे षड्यंत्र कर रहे हैं।

झारखंड में भी डबल इंजन की सरकार बनेगी- रांची रवाना होने से पहले भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड चुनाव के प्रचार अभियान में शामिल होने जा रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश प्रगित कर रहा है। निश्चित ही झारखंड में भी डबल इंजन की सरकार बनेगी। सीएम ने कहा कि पिछले चुनाव में झारखंड में हमारी सरकार नहीं बनी, उसका नुकसान झारखंड ने उठाया है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने झारखंड को राज्य का दर्जा दिया था। अब झारखंड की दुर्दशा देखकर दर्द होता है। इसलिए सब मिलकर झारखंड में बीजेपी को जिताइए। यह प्रदेश खनिज संपता में समृद्ध है। ऐसा राज्य पिछड़े यह जानकर दुख होता है।

और दम घुटने से मर गए 4 बच्चे

अमरेली। क्या आपको भी अपने बच्चों को घर पर अकेला छोड़कर काम से बाहर जाना पड़ता है? तो आपको और सतर्क होने की जरूरत है क्योंकि गुजरात से एक ऐसा दर्दनाक मामला सामने आया जिसने झकझोर कर रख दिया है। यहां चार बच्चों ने खेल-खेल में खुद को एक कार के अंदर बंद कर लिया, जिसके चलते दम घुटने से चारों की मौत हो गई। घटना उस वक्त की है जब माता-पिता बच्चों को छोड़कर काम पर बाहर गए थे। घर वापस लौटे तो उन्हें कार के अंदर ही चारों बच्चों के शव मिले। मामला अमरेली तालुका के रंधिया गांव का है। चारों बच्चों की उम्र 2 से सात साल के बीच की बताई जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक चिराग देसाई ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि यह घटना शनिवार को अमरेली के रंधिया गांव में हुई और इसमें जान गंवाने वाले बच्चे मध्यप्रदेश के रहने वाले एक कृषि श्रमिक पति-पत्नी के थे। घटना के वक्त माता-पिता घर पर नहीं थे। बच्चे खेल-खेल में कार के अंदर लॉक हो गए और फिर काफी कोशिशों के बाद भी बाहर नहीं आ पााए। आखिर में दम घुटने के चलते चारों की मौत हो गई। देसाई ने कहा, माता-पिता सुबह करीब साढ़े सात बजे अपने सात बच्चों को घर पर छोड़कर भरत मंदानी के खेत में काम करने चले गए थे। चार बच्चे घर के पास खड़ी खेत मालिक की कार में बैठ गए। देसाई ने बताया कि चारों पीड़ित दो से सात साल की उम्र के थे और उन्होंने कार को अंदर से बंद कर लिया था, जिससे दम घुटने के कारण उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जब बच्चों के माता-पिता और कार मालिक शनिवार शाम को वापस आए, तो उन्हें चार बच्चों के शव मिले।

सिंगल कॉलम

नगर निगम कमिश्नर ने किया एमआर-10 सहित अन्य चौराहों का निरीक्षण

इंदौर। नगर निगम अधिकारियों ने सोमवार को एमआर-10 रोड, बापट चौराहा, विजयनगर चौराहा और स्कीम नंबर 78 का निरीक्षण किया। दरअसल, सार्क देशों के एक कोर ग्रुप का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 24 और 25 नवंबर को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होने वाला है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा एक बार फिर एमआर-10 रोड को सजाया जाएगा। सम्मेलन की मेजबानी पहली बार इंदौर को मिली है। भारत सरकार द्वारा इस सम्मेलन का आयोजन करवाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में, इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल और उसके आसपास के क्षेत्र की सजावट कर उसे सुंदर बनाया जाना है। नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा द्वारा अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर और अन्य अधिकारियों के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस बीच ये देखा गया कि क्षेत्र में सड़क को सुंदर दिखाने के लिए क्या काम किया जाना चाहिए। इसके साथ ही इस बात पर भी ध्यान दिया गया कि इस क्षेत्र में कहीं सड़क पर गड्ढे तो नहीं हैं। इसके साथ ही हरियाली पर भी फोकस किया गया। निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पूरे क्षेत्र का विकास और सौंदर्यीकरण करने का कार्य तेज गति से शुरू कर समय सीमा के अंदर पूरा किया जाए। सम्मेलन में भाग लेने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी इंदौर आएंगी। वे सम्मेलन को संबोधित करेंगी। बापट चौराहे से लेकर होटल द पार्क तक के हिस्से को संवारा जाएगा। इस हिस्से में सौंदर्यीकरण के साथ ही आकर्षक डिवाइडर लगाए जाएंगे।

डेंगू के 15 नए केस मिले मूसाखेड़ी, आजाद नगर, विजय नगर में ज्यादा मरीज

इंदौर। इंदौर में 24 घंटों में डेंगू के 15 केस मिले हैं। इनमें ज्यादातर मरीज मूसाखेड़ी, आजाद नगर, विजय नगर, स्कीम 74 आदि क्षेत्रों से हैं। प्रभावित क्षेत्रों में मलेरिया विभाग और नगर निगम छिड़काव कर लार्वा नष्ट करने में जुटा है। 15 मरीजों में मूसाखेडी-आजाद नगर के 4 मरीज मिले हैं। ऐसे ही विजय नगर, स्कीम 74 में 3 और बाकी साउथ तुकोगंज, चंद्र विहार कॉलोनी, जीवन ज्योति कॉलोनी, तिलक नगर, निपानिया, सांवेर रोड, द्वारकापुरी, महादेव नगर, ओल्ड पलासिया आदि क्षेत्रों में पाए गए हैं। इनके सहित इस साल 536 डेंगू के केस मिले हैं, जबकि एक की मौत हुई है। इसके पूर्व 23 अक्टूबर को 7 केस मिले थे। ऐसे ही चिकनगुनिया के 20 और मलेरिया के 7 केस पाए गए हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दौलत पटेल के मुताबिक जिन क्षेत्रों में नए मरीज मिल रहे हैं वहां छिड़काव कर लार्वा नष्ट किया जा रहा है। रहवासी अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्?ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें।

पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के तहत इंदौर से संचालित उड़ानें बंद

इंदौर। मध्यप्रदेश में 13 जून से शुरू हुई पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के तहत इंदौर से संचालित होने वाले सभी उड़ाने पूरी तरह से कंपनी ने बंद कर दी हैं। कंपनी ने इंदौर के साथ ही उज्जैन और ग्वालियर से भी उड़ानों का संचालन बंद कर दिया है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने अभी अस्थाई तौर पर इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर से फ्लाइट का संचालन बंद किया है। वहीं एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि इंदौर से पीएम श्री सेवा की उड़ाने कभी भी पूरी कैपेसिटी के साथ नहीं चली, यह हमेशा से ही खाली रहती थी। वहीं कई बार तो बिना यात्रियों के ही विमान को उड़ान भरनी पड़ी। सूत्रों की माने तो यात्रियों की कमी के चलते पर्यटन विभाग और उड़ानों का संचालन करने वाली कंपनी ने तीनों शहर से उड़ानों को बंद करने का निर्णय लिया है। पीएम श्री सेवा उड़ानों का संचालन करने वाली जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड फ्लाई ओला कंपनी 6 सीटर विमान के साथ इसे इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के आठ शहरों से संचालित कर रही थी लेकिन अब कंपनी ने इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर से इन उड़ानों का संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया है। कंपनी द्वारा अपनी वेबसाइट पर भी जो उड़ानों की टिकट बुक की जा रही है उसमें से इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर के रुट को हटा दिया है। कंपनी ने हाल ही में 30 नवंबर तक की उड़ानों की ऑनलाइन बुकिंग वेबसाइट पर शुरू की है लेकिन इसमें इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर की एक भी उड़ान मौजूद नहीं है। कंपनी इस समय सिर्फ भोपाल, जबलपुर, रीवा, सिंगरौली और खजुराहो के लिए उड़ानों का संचालन कर रही है। वहीं कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि खजुराहो से अच्छा रिस्पोंस मिलने के कारण वहां की उड़ानों को बढ़ाया गया है।

दीपावली के बाद अनाज मंडी में व्यापारियों ने किए मुहूर्त के सौदे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दीपावली के बाद इंदौर में सोमवार को छावनी और लक्ष्मीबाई मंडी और सियागंज में व्यापारियों ने मुहूर्त के सौदे किए। परंरागत परिधानों में मंडी पहुंचे व्यापारियों ने बहीखातों में स्वास्तिक बनाकर भाव लिखे।

कुछ व्यापारियों ने रुमाल के नीचे गुप्त सौदे किए। मंडी में आम दिनों की अपेक्षा ज्यादा भीड़ नजर आई। मुर्हूत के सौदों के साथ व्यापारियों ने उपज लेकर मंडी पहुंचे किसानों का सम्मान भी किया। दीपावली से भाईदूज तक शहर की मंडियां बंद थी। जो सोमवार को खुली। मुहूर्त के सौदों में व्यापारियों किसानों की उपज को अच्छे दामों में खरीदते हैं। इस कारण किसान भी मुहूर्त के सौदों में ज्यादा दिलचस्पी लेते हैं।

एक दिन पहले मंडी पहुंच गए थे किसान

कई किसान एक दिन पहले सब्जी मंडी पहुंच गए थे। मंडी में पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन, सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला,महेंद्र हार्डिया और पूर्व विधायक अश्विन जोशी भी पहुंचे थे। मुहूर्त के सौदों में गेहूं 6171 प्रति क्विंटल, डॉलर चना 7221, मक्का 2950, मूंग 8084 प्रति क्विंटल के भाव से बिके। सौदे करने से पहले मंडी के मंदिर में व्यापारियों और किसानों ने पूजा की। इसके बाद पटाखे भी जलाए और एक दूसरे को दीपावली की बधाई भी दी। किसान भी अपने गांव से व्यापारियों के लिए मिठाई लेकर आए थे।

उज्जैन में 20051 रुपए प्रति क्विंटल पर खरीदा गया चना उज्जैन में आगर रोड कृषि उपज मंडी में ढोल-ढमाके के बीच मुहूर्त के सौदे हुए। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गई। व्यापारियों ने किसानों से डालर चना 20051 रुपए प्रति क्विंटल, ज्वार 10100 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन 7411 रुपए प्रति क्विंटल, मक्का 5353 रुपए प्रति क्विंटल और गेंहू 5151 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से खरीदा। पिछले साल उज्जैन में मुहूर्त में सोयाबीन 8551 रुपए क्विंटल नीलम हुआ था। गेहूं 3651 रुपए, मक्का 5101, ज्वार 4551 और डॉलर चना 16,113 रुपए प्रति क्विंटल बिका था।

किसानों को अच्छे दाम मिलते हैं

दिवाली के मौके पर व्यापारी अपना कारोबार बंद रखते हैं और भाई-दूज या इसके बाद मुहूर्त के सौदे करते हैं। सबसे पहले जिस किसान की उपज खरीदी जाती है, उसकी व्यापारी ज्यादा बोली लगाते हैं। इससे किसानों को अच्छे दाम मिलते हैं। यही कारण है कि मुहूर्त के सौदे में अपना अनाज बेचने के लिए बड़ी संख्या में किसान एक-दो दिन पहले से ही मंडी में पहुंच जाते हैं। इस बार भी कई किसान पहले से मंडी में पहुंच गए थे।

तेज रफ्तार का कहर...

कार कंटेनर में घुसी, दो छात्रों की मौत, चार घायल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अपने दोस्त से मिलने दिल्ली, यूपी के नोएडा और मुज्जफरनगर से आए युवकों की कार इंदौर-देवास रोड पर एक कंटेनर में जा घुसी। छात्र इंदौर से भोपाल की तरफ जा रहे थे। इस हादसे में दो छात्रो की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।हादसे में मृत छात्र का नाम धैर्य है, श्रेयांश सिंह है। अभय वर्मा, रोहित पुनिया, मोहित और विनायक सिंह घायल हुए हैं। सभी छात्र वैल्लूर विश्वविद्यालय में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं। वे दीपावली पर छुट्टी होने के कारण इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में रहने वाले अपने दोस्त राज से मिलने आए थे। दिल्ली से किराए की कार लेकर आए दोस्त राज से मिलने के बाद सोमवार अल सुबह भोपाल जाने के लिए निकले थे, इसी बीच एबी रोड पर कार कंटेनर में जा घुसी। आगे की सीट पर बैठे धैर्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि श्रेयांश ने उपचार के दौरान दम तोड़ा।

कंटेनर के पिछले हिस्से में घुसी कार

कार कंटेनर के पिछले हिस्से में घुस गई थी। कार को लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला और दरवाजे के शीशे तोड़कर घायलों को निकाला। पुलिस अफसरों ने घायल के दोस्त राज को भी मौके पर बुलाया और दोस्तों के परिजनों को सूचना देने के लिए कहा। घायल छात्रों के परिजन भी इंदौर के लिए रवाना हो गए। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है। कंटेनर चालक फरार है।

दो की हालत गंभीर, वैंटिलेटर पर रखा

हादसे के बाद नोएडा के रहने वाले अभय वर्मा को राजश्री अस्पताल और श्रेयांश को कोकिला बेन अस्पताल में वैंटिलेटर पर रखा गया है। जहां इलाज के दौरान श्रेयांश की मौत हो गई। अन्य छात्र रोहित, विनायक और मोहित का अलग-अलग अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक वे जिस दोस्त राज के पास इंदौर आए थे, हादसे की सूचना पर पुलिस उसके यहां पहुंची। उसे मौके पर लेकर गए। लेकिन दोस्तों को इस हालत में देखने के बाद वह भी बोलने की स्थिति में नहीं है।

सुबह पौने पांच बजे हुआ हादसा

लसूड़िया टीआई तारेश सोनी के मुताबिक हादसा सुबह करीब 4.45 बजे हुआ है। देवास नाके के पास एक कंटेनर में छात्रों की कार जा घुसी। अभय वर्मा, रोहित पूनिया, विनायक सिंह और मोहित घायल हैं। धैर्य के पिता टीचर हैं। मोहित के पिता आर्मी से रिटायर्ड हैं। अभय वर्मा पिता नोएडा में आईटी कंपनी में हैं। विनायक के पिता का नोएडा में बिजनेस है। राजवर्धन के पिता इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत हैं। कार और कंटेनर को जब्त कर क्रेन से थाने पहुंचाया गया है। कंटेनर का ड्राइवर हादसे के बाद फरार हो गया।

बीएसएफ के नव आरक्षकों ने ली देश की रक्षा की शपथ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सीमा सुरक्षा बल के इंदौर प्रशिक्षण केंद्र में सोमवार को 485 नव आरक्षकों ने देश की रक्षा की शपथ ली। इनमें से 111 नवआरक्षकों को त्रिपुरा में तैनात किया गया है। समारोह में शपथ परेड का आयोजन किया गया। इस परेड की सलामी बीएसएफ आईजी अश्वनी कुमार शर्मा ने ली। परेड के दौरान नव आरक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज को साक्षी मानकर देश के संविधान के प्रति एकता, अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली। शपथ परेड के बाद आरक्षकों ने रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। राइफल प्रदर्शन, ग्रुप पीटी, छाउ नृत्य भी किया गया। एक घंटे तक हुई प्रस्तुतियों ने देखने वालों का भी मन मोह लिया। परेड में एक साथ कदमताल करते हुए चल रहे नव आरक्षकों को जोश और उत्साह देखते ही बनता था। उनके चेहरों पर देशसेवा की खुशी भी झलक रही थी।

नव आरक्षकों की बैच को 44 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न हथियारों, ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, मैप रिडिंग, युद्ध कौशल, निशानेबाजी, सीमा की निगरानी, आतंकवाद एवं उग्रवादियों से लड़ने के गुर का प्रशिक्षण दिया गया। अब इन नव आरक्षकों को देश कि विभिन्न सीमाओं एवं आन्तरिक सुरक्षा का दायित्व निभाने के लिए तैनात किया जाएगा। पास आउट हुए कुल 485 नव आरक्षकों में से झारखण्ड राज्य के 326, पश्चिम बंगाल के 153, मध्य प्रदेश के तीन बिहार से तीन है। प्रशिक्षण के दौरान हुई स्पर्धा में विजेता नव आरक्षकों को अतिथियों ने मेडल प्रदान किए। परेड में नव आरक्षकों के माता-पिता भी मौजूद थे। अतिथियों ने कहा कि नवआरक्षकों के माता-पिता भी बधाई के पात्र है। उन्होंने देश सेवा के लिए अपने बच्चों को बीएसएफ को सौंपा है।

एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ाए दो आरोपी, पुलिस कर रही पूछताछ

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई में 88 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में आमिर पुत्र आसिफ गौरी (निवासी नयापुरा) और अयान, पुत्र हमीद खान (निवासी टाटपट्टी बाखल) शामिल हैं। उन्हें एमआर 4 रोड स्थित नमकीन क्लस्टर गली के पास पकड़ा गया, जब वे बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार थे। एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार, जब आरोपियों की तलाशी ली गई तो उनके पास से 88 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख रुपये है। यह मादक पदार्थ आरोपियों ने बाइक में छिपा रखा था और इसे इंदौर में बेचने के उद्देश्य से लाया गया था। पुलिस ने आरोपियों की बाइक भी जब्त कर ली है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और सोमवार को उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। इस गिरफ्तारी से इंदौर में ड्रग्स के अवैध व्यापार पर लगाम लगाने की दिशा में क्राइम ब्रांच को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बताया कि आरोपी भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया। पुलिस आरोपियों से लंबी पूछताछ करेगी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से कई बड़े नामों का खुलासा हो सकता है। पुलिस का कहना है कि ड्रग्स स्मगलरों को खिलाफ हमारी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस ने बताया कि सीनियर अफसरों के निदेर्शों पर हमारी टीमें लगातार ड्रग्स स्मगलरों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। पहले भी हमने कई स्मगलरों पर कार्रवाई की है। 3 नवंबर को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि दो बदमाशों के पास एमडी ड्रग्स है। वे इसे लेकर भाग रहे हैं। इसकी सूचना क्राइम ब्रांच पुलिस को मिली। पुलिस को देखते ही दोनों आरोपी बाइक से भागने लगे। पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोका तो उनके पास एमडी ड्रग्स मिली। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया। गौरतलब है कि इंदौर ड्रग्स का बड़ा सेंटर बन चुका है। यहां हाल ही में करोड़ों रुपये की ड्रग्स पकड़ी गई हैं। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इन सिंडिकेट क्रिमिनल्स के तार राजस्थान से लेकर पूरे देश में फैले हुए हैं। हाल ही में सराफा पुलिस ने 95 लाख रुपए की ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पुलिस को इस आरोपी के पास 989 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली थी।

प्रॉपर्टी गाइड लाइन पर आए दावे आपत्तियां, अब होगा निराकरण

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की प्रॉपर्टी गाइड लाइन पर दावे-आपत्तियां भेजने का अंतिम दिन सोमवार को था। प्रस्ताव पर 30 से ज्यादा सुझाव आए है। शहरी सीमा से जुड़े क्षेत्रों को कलेक्टर गाइड लाइन में जोड़ने के सुझाव ज्यादा आए है।

अब उनका निराकरण कर प्रस्तावित दरों को पंजीयन विभाग केंद्रीय मूल्याकंन समिति को भेजेगा। वहां से फैसला होगा। इंदौर जिले में सात माह में दूसरी बार कलेक्टर गाइड लाइन बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। विभाग ने 469 लोकेशन खोजी है, जहां ज्यादा कलेक्टर गाइड लाइन से अधिक मूल्य पर पंजीयन हुए है। उसे आधार बनाते हुए 469 क्षेत्रों में कलेक्टर गाइड लाइन बढ़ाने का प्रस्ताव शामिल किया गया है। इनमें शहर के बाहरी क्षेत्रों में विकसित हो रही 100 से ज्यादा कॉलोनियां शामिल है। इंदौर में पहले बायपास और सुपर कॉरिडोर पर नई कॉलोनियां विकसित हो रही थी, लेकिन अब धरमपुरी, सांवेर, हातोद की तरफ ज्यादा टाउनशिप विकसित हो रही है। जिन कॉलोनियों की गाइडलाइन बढ़ाने के प्रस्ताव भेजे हैं। उनमें दस से 20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। कनाड़िया तहसील की 20 टाउनशिपों की गाइड लाइन में इजाफा होगा। 469 में से 190 लोकेशन पर दस से लेकर पंद्रह प्रतिशत तक वृद्धि करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके अलावा 112 लोकेशन पर दस प्रतिशत वृद्धि होगी। आपको बता दे कि प्रदेश में पंजीयन से सबसे ज्यादा राजस्व इंदौर से सरकार को मिलता है। कलेक्टर गाइड लाइन के बढ़ने से सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा। अभी इंदौर जिले में पांच हजार से ज्यादा लोकेशन पर संपत्तियों के दस्तावेज पंजीकृत हो रहे है। महू, सांवेर, हातोद, देवास नाका, सिमरोल, खंडवा रोड की तरफ तेजी से बसाहट हो रही है और नई कॉलोनियां विकसित हो रही है।

सीएम हेल्पलाइन के पेंडिंग केस के लिए लगेंगे कैम्प, लापरवाह अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर जिले में सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत 50 दिन से अधिक की अवधि के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर लगाए जाएंगे।

शिविर में आवेदकों को बुलाकर उनकी समस्याएं सुनकर उनके ही समक्ष समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। जिले में सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। यह बात कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को टीएल बैठक में कही। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 50 दिन से अधिक की अवधि के कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहे। उन्होंने त्यौहारों के मद्देनजर थमी यातायात सुधार और फुटपाथों से अतिक्रमण तथा अन्य बाधाएं हटाने की मुहिम को पुनः तेज गति से प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

सभी विभागों की समीक्षा की

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की बैठक में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, ज्योति शर्मा, रोशन राय, राजेन्द्र रघुवंशी, निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने समय-सीमा के पत्रों, सीएम हेल्पलाइन तथा लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की।

खाद वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की

कलेक्टर ने कहा कि जन समस्याओं संबंधी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाये। सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को अनिवार्य रूप से देखें। संबंधित आवेदक से चर्चा कर निराकरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दें। आवेदन का आवेदक की संतुष्टि के साथ सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों का निराकरण भी समय-सीमा में सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने खाद वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की। बताया गया कि जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। किसी भी तरह खाद की कोई कमी नहीं है। बैठक में कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि तीन माह से अधिक के लंबित विभिन्न अविवादित राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निराकरण किया जाए।

समय सीमा में निपटाएं प्रकरण

लोक सेवा गारंटी अंतर्गत प्रकरणों का समयावधि में निराकरण सुनिश्चित हो। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि अविवादित सीमांकन, नामांतरण, बटवारा सहित विभिन्न प्रकार के राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने धारणाधिकार की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में उन्होंने नल-जल योजना के चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की।

उन्होंने प्रगतिरत कार्यों को गति देकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाने के निर्देश भी दिए।

बीना विधायक निर्मला सप्रे किधर? अब हाईकोर्ट में होगा तय...

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस की विधायक निर्मला सप्रे को लेकर बड़ा सियासी घमासान मचा हुआ है। मामला इतना पेचीदा है कि लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर सप्रे हैं किस पार्टी में। दरअसल, उन्होंने विधानसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर जीता था लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान वह बीजेपी में शामिल हो गई। हालांकि, उन्होंने अब तक विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया है और न ही औपचारिक रूप से बीजेपी ज्वाइन की है। इस मामले में अब कांग्रेस हाईकोर्ट जाने की तैयारी में है।

मामला मध्यप्रदेश की राजनीति से जुड़ा है जहां एक महिला विधायक को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विधायक निर्मला सप्रे ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान वे बीजेपी में शामिल हो गईं। पांच महीने बीत जाने के बाद भी उन्होंने न तो विधायक पद से इस्तीफा दिया है और न ही औपचारिक रूप से बीजेपी ज्वाइन की है। इसको लेकर कांग्रेस ने हाईकोर्ट जाने का फैसला किया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि वह जल्द ही इस मामले को लेकर हाईकोर्ट जाएंगे।

बीजेपी की बैठकों में शामिल हो रही थीं

यह मामला सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से जुड़ा है। यहां से

निर्मला सप्रे ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था। इस साल 5 मई को लोकसभा चुनाव के दौरान वह अचानक बीजेपी में शामिल हो गईं। खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उन्हें बीजेपी ज्वाइन करवाई थी। सप्रे ने भी बीजेपी में जाने की बात कही थी और वे लगातार बीजेपी की बैठकों में शामिल हो रही थीं। ऐसे में माना जा रहा था कि वह जल्द ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगी। लेकिन 6 महीने बीत जाने के बाद भी उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। इस वजह से कांग्रेस उनकी सदस्यता रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर करने जा रही है।

पेपर ही नहीं मिला

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि निर्मला सप्रे की सदस्यता समाप्त करने के लिए उन्होंने मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को याचिका दी थी। लेकिन 90 दिन बाद पता चला कि सदस्यता समाप्त करने संबंधी कागज ही गायब हैं। इस पर सिंघार ने कहा कि विधानसभा में कागज घुमना हास्यास्पद बात है, इसलिए हम लोग इस पूरे मामले को लेकर अब हाईकोर्ट जाएंगे। क्योंकि निर्मला सप्रे कांग्रेस की विधायक हैं, लेकिन पार्टी विरोधी गतिविधि कर रही हैं, उनकी सदस्यता बर्खास्त करने पार्टी से अलग करने हम कोर्ट में जाएंगे।

बीना को जिला बनाने की मांग

बताया जा रहा है कि बीना को जिला बनाने के मुद्दे पर यह पूरा मामला अटका हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, निर्मला सप्रे ने इसी बात को लेकर बीजेपी ज्वाइन की थी कि बीना को जिला बनाया जाए। लेकिन, जिला बनाने का मामला फंस गया है। इसके बाद से उन्होंने अब तक पद से इस्तीफा नहीं दिया है। हालांकि, निर्मला सप्रे कई बार मंच से यह बात कह चुकी हैं कि वह जल्द ही इस्तीफा देने वाली हैं।

अभी हैं कांग्रेस की विधायक

खास बात यह है कि निर्मला सप्रे भले ही बीजेपी में शामिल हो चुकी हैं लेकिन विधानसभा के अनुसार, वह अभी भी कांग्रेस की विधायक हैं और कागजों में भी वह कांग्रेस की ही विधायक हैं। लेकिन, उन्होंने कांग्रेस से पूरी तरह से दूरी बना ली है। वे लगातार बीजेपी की बैठकों में शामिल हो रही हैं। हालांकि, उन्होंने खुद यह बयान दिया है कि वह अभी तक बीजेपी में शामिल नहीं हुई हैं। ऐसे में देखना होगा कि यह असमंजस कब खत्म होता है।

72 घंटे में 10 हाथियों की मौत की गुत्थी अब भी अनसुलझी

क्या इमली का पानी या छाछ से बच सकती थी जान?

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल/उमरिया। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 72 घंटे के अंदर 10 हाथियों की मौत के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन अब भी गुत्थी सुलझ नहीं रही है। इस बीच वन विभाग के अधिकारियों को तमिलनाडु के वननाथीपराई फॉरेस्ट रिजर्व में 90 साल पहले हाथियों की मौत से जुड़ी एक रिपोर्ट मिली है। यह रिपोर्ट 22 मई, 1934 को वन्य जीव विशेषज्ञ आरसी मॉरिस द्वारा तैयार की गई थी, जिसमें तब हुई 14 हाथियों की मौत का कारण कोदो का सेवन बताया गया था। इसी कोदो को खाने से अब बांधवगढ़ में हाल ही में हुई हाथियों की मौत की आशंका जताई जा रही है।

90 साल पुरानी मॉरिस की रिपोर्ट में कहा गया है कि 'वरागु' नाम से मशहूर कोदो पकने के बाद जहरीला हो सकता है, हालांकि, इसका जहरीला होना स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। उन्होंने रिपोर्ट में लिखा कि इस कोदो के खाने के लिए सुरक्षित होने का अंदाजा आमतौर पर उसे पकाने और थोड़ा स्वाद चखने या पशुओं की स्थिति देखकर लगाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार इस जहर का इलाज हाथियों को इमली का पानी या छाछ पिलाकर किया जा सकता है।

तमिलनाडु में हाथियों की मौत पर अध्ययन

रिपोर्ट के अनुसार 17 दिसंबर 1933 को तमिलनाडु के एक गांव में 11 हाथियों को

खेतों में और तीन को पास के आरक्षित वन क्षेत्र में बीमार हालत में पाया गया था। कुछ ही घंटों में खेतों में पड़े सभी हाथियों की मौत हो गई थी, जबकि रिजर्व में पड़े तीन हाथियों की हालत नाजुक थी और बाद में उनकी भी मृत्यु हो गई। पेरियाकुलम के एक पशु चिकित्सा सर्जन ने तब दो हाथियों का पोस्टमॉर्टम किया था और उनके आंतरिक अंगों का रासायनिक विश्लेषण किया था। इसमें कोदो के जहर से हाथियों की मौत की पुष्टि हुई। मॉरिस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इसी क्षेत्र में पहले भी इस प्रकार की घटना घटित हुई थी, जब हाथियों ने कोदो खा लिया था, जिसे स्थानीय लोग 'किरुकु वरागु' कहते हैं।

कोदो के जहरीले होने का पता लगाना कठिन

मॉरिस ने बताया कि कुछ कुछ कोदो में फंगस आ जाता है। यह खाने के बाद जहरीला हो जाता है। इससे उल्टी और चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यह फंगस विशेष जलवायु और मौसमी परिस्थितियों में ही सक्रिय होता है। मॉरिस की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस प्रकार के फंगस को गोबर के पानी में भिगोकर या लंबे समय तक स्टोर करने से निष्क्रिय किया जा सकता है।

हाथियों की मौत पर सीबीआई जांच की मांग

रिपोर्ट का हवाला देते हुए वन विभाग के कई अधिकारियों पर हालिया हाथियों की मौत के मामले में देरी से कार्रवाई के आरोप लग रहे हैं। वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने मामले में सीबीआई जांच की मांग की है और आरोप लगाया है कि अधिकारियों ने समय पर कदम नहीं उठाए, जिससे हाथियों की मौत को रोका नहीं जा सका।

कोदो के सैंपल की रिपोर्ट आना बाकी

वन विभाग के प्रमुख सचिव अशोक वर्णवाल ने कहा कि 90 साल पुरानी तमिलनाडु की रिपोर्ट मिली है। इसमें कुछ कुछ कोदो में फंगस लग जाता है, जिसको खाने के बाद वह टॉक्सिक हो जाता है। इससे चक्कर आना और उल्टी जैसे समस्या होती है।

इस रिपोर्ट को देखकर बांधवगढ़ में हाथियों की मौत की संभावना कोदो खाने से होने की ही लगाई जा रही है। यहां हाथियों के पेट से बड़ी मात्रा में कोदो निकला है। हालांकि, अभी कोदो में फंगस लगा होने की रिपोर्ट लैब से आना बाकी है।

राजधानी में जुलाई 2025 में होगा मेट्रो का कमर्शियल संचालन

स्टेशन पर यात्रियों को टोकन से मिलेगी एंट्री

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में मेट्रो का कमर्शियल संचालन जुलाई 2025 में शुरू होने की संभावना है। इसकी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने तैयारी शुरू कर दी है। भोपाल में सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो का संचालन होगा। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का काम पूरा हो गया है। अब बाकी का काम छह माह में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें रानी कमलापति से एम्स के बीच आने वाले तीन मेट्रो स्टेशन डीआरएम, अलकापुरी और एम्स का काम भी शामिल है। इन तीनों स्टेशन पर अभी 50 प्रतिशत से ज्यादा काम बाकी है। वहीं, सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच के पांच मेट्रो स्टेशन पर करीब करीब काम पूरा हो गया है। पहले इन पांच स्टेशनों के बीच ही मेट्रो संचालन की योजना थी, लेकिन छोटा सेक्शन होने की वजह से इसे टाल दिया गया। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन तैयारी पूरी होने के एक या दो माह पहले सुरक्षा आयुक्त को निरीक्षण के लिए लिखेंगे। इंदौर में जनवरी 2025 में मेट्रो के संचालन की योजना है। ऐसे में यहां पर दिसंबर में सुरक्षा आयुक्त सेफ्टी का निरीक्षण करने आ सकते है। भोपाल में मई-जून में सेफ्टी निरीक्षण होने की संभावना है।

मेट्रो की शुरुआत होने पर स्टेशन पर यात्रियों को टोकन से एंट्री मिलेगी।

हालांकि अधिकारियों का कहना है कि फेयर कलेक्शन की तकनीक को आने वाले समय में अपग्रेड किया जाएगा। यह तकनीक मेट्रो में रायडरशिप के अनुसार तय होगी। मेट्रो के साथ ही बसों को भी जोड़ा जाएगा। जिससे एक ही माध्यम से यात्री दोनों जगह किराया का भुगतान कर सकेंगे।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर दी बधाई

बोले-हाथियों के प्रबंधन पर साझा कार्ययोजना बनाएंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वहां की जनता को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश में आने वाले हाथियों के प्रबंधन और संरक्षण के लिए साझा कार्ययोजना बनाने विचार करने की बात कही है। हाथियों के संरक्षण को लेकर मध्य प्रदेश में टास्क फोर्स भी गठित की जाएगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव पर वहां के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने मीडिया को दिए संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़, मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ के

स्थापना दिवस पर राज्योत्सव के आयोजन को हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्य समन्वित रूप से विकास और जनकल्याण के पथ पर अग्रसर हैं। डॉ. यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ से बड़े समूह में हाथियों के मध्य प्रदेश में आने से प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ी हैं। इसके लिए दोनों राज्यों के बीच समन्वय जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ से बड़े समूह में आने वाले हाथियों की सूचना के आदान-प्रदान और उनके प्रबंधन के संबंध में कार्य योजना बनाने पर भी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। बता दें हाल ही में मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत हो गई, जिसका कारण कोदो के फंगस से बने टॉक्सिन को माना जा रहा है।

इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और हाथियों के संरक्षण हेतु एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है, जो राज्य में हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

मप्र निगम-मंडलों में नियुक्तियां जल्द कुछ नेताओं की पूरी होगी आस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल. मध्यप्रदेश में जल्द ही निगम-मंडलों में नियुक्तियां हो सकती हैं, जिसको लेकर सियासी गलियारों में खूब चर्चा हो रही है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के कई नेता इन पदों के लिए इंतजार कर रहे हैं। इंतजार करें भी क्यों न टिकट कटने के बाद पार्टी उन्हें 'जरूरी' मानते हुए किसी न किसी पद पर तो स्थान देगी ही। बस इसी उम्मीद में नेता आस लगाए बैठे हैं। और पार्टी के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। वैसे इसे लेकर पार्टी से भी संकेत मिलने लगे हैं। एमपी के सियासी गलियारों में यह चर्चा पिछले दो तीन महीनों से जोरों शोरों पर है। जब दो महीने पहले सीएम मोहन यादव का दिल्ली दौरा हुआ था तब भी मामले ने जमकर तूल पकड़ा था। कयास लगाए जा रहे थे कि दिल्ली में आलाकमान से मिलने के बाद नेताओं के नाम फाइनल किए जा रहे हैं।

इन नेताओं के नाम रेस में

बीजेपी के विनोद गोटिया, हेमंत खंडेलवाल और राजेंद्र सिंह राजपूत जैसे दिग्गज नेता इन पदों की कतार में आगे हैं। वहीं कांग्रेस से दीपक सक्सेना और गजेंद्र सिंह

राजूखेड़ी का नाम भी चर्चा में है। हालांकि, पार्टियों के द्वारा कोई भी निर्णय पब्लिक नहीं किया गया है। इसके कारण कई नेताओं के सब्र का बांध भी भरता जा रहा है।

विरोधाभासी रहा इतिहास

दिलचस्प बात यह है कि शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली पिछली बीजेपी सरकार ने इन पदों पर नियुक्तियां की थी। बाद में फरवरी 2024 के समय मोहन सरकार ने निगम मंडल की नियुक्तियां को निरस्त कर दिया था। अब देखना होगा कि किन-किन नेताओं को इन पदों पर जगह मिलती है।

भोपाल इज्तिमा की तैयारी जोरों पर, 300 एकड़ में बन रहा पंडाल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शहर में होने वाला 77वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा 29 नवंबर से शुरू हो रहा है। चार दिन चलने वाला यह आयोजन ईटखेड़ी स्थित घासीपुरा में होगा, जो भोपाल से करीब 14 किलोमीटर दूर है। 2 दिसंबर को सामूहिक दुआ के साथ इज्तिमा का समापन होगा। इज्तिमा में शामिल होने के लिए लोग एक हफ्ते पहले से ही आना शुरू कर देंगे। लोगों को इज्तिमा के बारे में जानकारी देने के लिए जमातें जगह-जगह जाकर प्रचार कर रही हैं। पहले दिन कई जोड़ों का निकाह भी होगा। इज्तिमा मार्ग पर किसी भी फेरीवाले को दुकान लगाने की इजाजत नहीं होगी।

बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। फिर भी बड़ी संख्या में लोग रोजाना काम में हाथ बटाने के लिए यहां आ रहे हैं। पिछले दो दिनों से सरकारी छुट्टी होने के कारण यहां बहुत लोग देखे गए। इस साल लोगों की सुविधा का खास ख्याल रखा जा रहा है। पिछली बार की तुलना में इस बार व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया है। इज्तिमा आयोजन समिति द्वारा 250 एकड़ में लगने वाले पंडाल को 300 एकड़ में लगाया जा रहा है। इस पंडाल को तैयार करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। बाकी दूसरी सुविधाओं का भी खास ध्यान रखा जा रहा है।

वुजूखाने के लिए बड़े इंतेजाम

पानी की कोई कमी न हो इसके लिए 20 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। पाइप लाइन का काम भी लगभग तैयार है। वुजू (नमाज से पहले शरीर धोने का तरीका) के लिए 35 हजार से ज्यादा नल लगाए जाएंगे। इसके अलावा, लगभग 8000 शौचालय बनाए जाएंगे। इनमे कुछ पक्के और कुछ अस्थायी होंगे।

पार्किंग के लिए व्यवस्था बढ़ाई

गाड़ियों की पार्किंग के लिए 65 से अधित जगहें बनाई गई हैं। दोपहिया, चौपहिया और बड़े वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार पार्किंग के लिए 6 नई जगहें बनाई गई हैं।

आयोजन स्थल पर खाने-पीने से लेकर इलाज तक की सभी सुविधाएं मौजूद रहेंगी।

सम्पादकीय

70 साल के वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य बीमा अच्छी पहल

यह सच है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार से चिकित्सा के बुनियादी ढांचे पर अधिक दबाव पड़ने का अनुमान है, लेकिन योजना का उद्देश्य प्रति परिवार को, उम्र चाहे कुछ भी हो, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पतालों के माध्यम से साल भर में 5 लाख रुपए तक के स्वास्थ्य बीमा के तहत कैशलेस और पेपरलेस इलाज सुविधा मुहैया कराना है। इसके तहत आर्थिक रूप से सबसे निचले स्तर की 40 फीसदी आबादी के परिवार लाभार्थी हैं। फिलहाल योजना तक लक्षित लाभार्थियों के 56 फीसदी हिस्से की पहुंच हो चुकी है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना, भारत की जनसांख्यिकी में बदलाव की समझ को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के मुताबिक साल 2050 तक भारत में उम्रदराज लोगों की हिस्सेदारी बढ़कर 20 फीसदी तक हो जाएगी। यह देखते हुए कि जनसंख्या के इस समूह का चिकित्सा व्यय ज्यादा होता है, अधिक सरकारी सहायता का स्वागत किया जाना चाहिए। यह दुःखद है कि दिल्ली और पश्चिम बंगाल ने, जहां उम्रदराज लोगों की जनसंख्या क्रमशः आठ और 11 फीसदी है, इस योजना से बाहर रहने का विकल्प चुना है, जैसा कि वे पहले भी साल 2018 में पीएम-जेएवाई की शुरूआत के समय कर चुके हैं। इन दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों का यह दावा है कि उनका प्रशासन अपने नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य योजनाएं मुहैया करा रहा है, जैसा कि और कहीं नहीं है। गैर भाजपा शासित राज्य केरल और तमिलनाडु में भी यकीनन राज्य स्तर की ऐसी सबसे अच्छी योजनाएं हैं, लेकिन उन्होंने केंद्रीय योजना को अपने राज्यों में संचालित करने की अनुमति देने का विकल्प चुना है। ऐसा करके उन्होंने अपने नागरिकों को व्यापक विकल्प मुहैया कराया है और इससे जो प्रतिस्पर्धा होगी उससे निस्संदेह उनकी योजना में ही दक्षता बढ़ेगी। यह महज संयोग नहीं है कि इन दोनों राज्यों में पीएम-जेएवाई के इस्तेमाल की दर सबसे ज्यादा है। यह सच है कि योजना के विस्तार से चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर अधिक दबाव पड़ने का अनुमान है। योजना का उद्देश्य प्रति परिवार को, उम्र चाहे कुछ भी हो, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पतालों के माध्यम से साल भर में 5 लाख रुपए तक के स्वास्थ्य बीमा के तहत कैशलेस और पेपरलेस इलाज सुविधा मुहैया कराना है। इसके तहत आर्थिक रूप से सबसे निचले स्तर की 40 फीसदी आबादी के परिवार लाभार्थी हैं। फिलहाल योजना तक लक्षित लाभार्थियों के 56 फीसदी हिस्से की पहुंच हो चुकी है। नई योजना के तहत जिन परिवारों को पहले से ही पीएम-जेएवाई का लाभ मिल रहा है और उनमें 70 साल से अधिक उम्र के लोग हैं, उन्हें 5 लाख रुपए के बीमा के टॉप-अप का फायदा मिलेगा। इस विस्तार से देश के करीब 4.5 करोड़ परिवारों के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को फायदा मिलेगा। हालांकि योजना का लाभ अधिक से अधिक पहुंचाने के लिए सरकार को मौजूदा योजनाओं की उन कुछ प्रमुख चुनौतियों से तत्काल निपटना होगा जो विस्तार के बाद और बढ़ सकती हैं। अस्पताल सुविधाओं की कमी ऐसी ही एक गंभीर समस्या है। इस योजना का संचालन करने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के अनुसार, आयुष्मान भारत से देश भर में करीब 30,000 अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र जुड़े हुए हैं जिनमें से 13,582 निजी क्षेत्र के हैं। योजना के लिए पात्र जनसंख्या के लिहाज से देखें तो यह संख्या बहुत ही छोटी है, यही

जब नवंबर समेत 10 माह ही होते थे एक साल में

नवंबर का महीना एक खास महीना है, जिसने विश्व की उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को देखा है जिन्होंने राष्ट्रों और संस्कृतियों को आकार दिया है। यह महीना मूल रोमन कैलेंडर के 10 महीनों में से नवां महीना था जो बाद में 11वां महीना बना। भारत में यह महीना देश के 9 राज्यों का जन्मदाता है। इसी महीने नोबल पुरस्कार विजेता सीबी रमन, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और आर.के. नारायण जैसी महान हस्तियों का जन्म हुआ था।

नवंबर का महीना एक खास महीना है, जिसने विश्व की उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को देखा है जिन्होंने राष्ट्रों और संस्कृतियों को आकार दिया है। यह महीना मूल रोमन कैलेंडर के 10 महीनों में से नवां महीना था जो बाद में 11वां महीना बना। भारत में यह महीना देश के 9 राज्यों का जन्मदाता है। इसी महीने नोबल पुरस्कार विजेता सीबी रमन, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और आर.के. नारायण जैसी महान हस्तियों का जन्म हुआ था।

भारत में सर्वाधिक जनसंख्या द्वारा मानाई जाने वाली दीवाली सामान्यतः इसी महीने आती और देश के चार सर्वोच्च धामों में से एक बदरीनाथ के कपाट भी इसी महीने शीतकाल के लिए बंद होते हैं। नवंबर में राष्ट्रीय मधुमेह माह मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस दीर्घकालिक बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को शिक्षित करना है। भारत में नवंबर मानसून की विदाई और शीत ऋतु के आगमन के साथ ही दीवाली, छट और गुरु पर्व जैसे त्योहारों का महीना है।

नवंबर शब्द लैटिन भाषा के 'नोवेम' से निकला है जिसका अर्थ 'नाइन' या नौ होता है। मूल कैलेंडर केवल 304 दिन लंबा था। सर्दियों के महीनों में एक अंतर छोड़कर जब कृषि गतिविधियां न्यूनतम थीं। जनवरी और फरवरी को जोड़कर, कैलेंडर सौर वर्ष के साथ एडजस्ट करने का प्रयास किया गया।

दरअसल, ग्रेगोरियन कैलेंडर में जब मूल रूप से केवल 10 ही महीने थे तब उसमें नवंबर नवां महीना ही था। बाद में जब जनवरी और फरवरी को कैलेंडर में जोड़ा गया तो नवंबर ग्यारहवां महीना बन गया, लेकिन नाम वही रहा। यह नामकरण परंपरा रोमन कैलेंडर के इतिहास और समय के साथ इसके विकास को दर्शाता है।

महीनों के लिए लैटिन नामों का उपयोग कई भाषाओं में जारी रहा। विश्व के अधिकांश देशों की तरह भारत में भी सरकारी कामकाज के साथ ही आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर ही व्यवहार में हैं और हिन्दू कलेंडर केवल त्योहारों और मुहूर्तों तक सीमित रह गया है।

ग्रेगोरियन कैलेंडर की शुरुआत पोप ग्रेगोरी अष्टम ने जूलियन कैलेंडर की अशुद्धियों में सुधार करने के लिये 1582 में की थी। इसमें सामान्यतः 365 और प्रत्येक चार साल बाद लीप इयर में 366 दिन होते हैं। ग्रेगोरियन कैलेंडर को सबसे पहले कैथोलिक देशों ने अपनाया था और धीरे-धीरे प्रोटेस्टेंट और ऑर्थोडॉक्स देशों ने भी इसे अपनाना शुरू किया जैसे ग्रेट ब्रिटेन और उसके उपनिवेशों ने इसे 1752 में अपनाया।

ग्रेगोरियन कैलेंडर का उपयोग दुनियाभर के अधिकांश देशों द्वारा शासकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। यह 150 से अधिक देशों में समय चक्र है। कुछ देशों में सांस्कृतिक या धार्मिक उद्देश्यों के लिए वैकल्पिक कैलेंडर हो सकते हैं। लेकिन इस कैलेंडर का उपयोग आमतौर पर शासकीय या प्रशासनिक मामलों के लिए किया जाता है। शुरू में 10 महीनों वाला रोमन कैलेंडर मार्च से शुरू होकर दिसंबर में समाप्त होता था।

जनवरी और फरवरी को उस समय के राजा नुमा पोम्पिलियस ने 713 ईसा पूर्व में रोमन कैलेंडर में जोड़ा था। नुमा ने कैलेंडर को चंद्र वर्ष के साथ अधिक निकटता से संरेखित करने के लिए जनवरी (रोमन ईश्वर जेनसके नाम पर) और फरवरी (रोमन त्योहार फेब्रुआ के नाम पर) को जोड़ा गया।

जनवरी को सबसे पहले शुभारम्भ के देवता जेनस के सम्मान में रखा गया और फरवरी को आत्म शुद्धिकरण के महीने के रूप में जोड़ा गया। इस परिवर्तन ने 12 महीने के कैलेंडर की शुरूआत की जिसका हम आज उपयोग करते हैं और जो बाद में 46 ईसा पूर्व में जूलियस सीजर द्वारा पेश किए गए जूलियन कैलेंडर में विकसित हुआ।

इसमें हर चार साल में एक लीप वर्ष के साथ एक निश्चित 365-दिवसीय वर्ष शामिल था, जिसने जनवरी और फरवरी को पहले दो महीनों के रूप में स्थापित किया। 1582 में पोप ग्रेगरी द्वारा पेश किए गए ग्रेगोरियन कैलेंडर में प्राचीन कैलेंडर के मूल ढांचे को बनाए रखा।

विश्वस्तर पर भी नवंबर का महीना कई महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह रहा है। वैश्विक स्तर पर 1 नवंबर 1512 को माइकल एंजेलो द्वारा चित्रित सिस्टिन चैपल की छत का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया था, जो पुनर्जागरण कला में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को चिह्नित करता है। 2 नवंबर, 1947 को हॉवर्ड ह्यूजेस द्वारा डिजाइन की गई एक विशाल उड़ान नाव 'स्प्रूस गूज' की पहली सफल परीक्षण उड़ान हुई।

यह विमानन में नवाचार का प्रतीक है। 9 नवंबर, 1989 को बर्लिन की दीवार गिर गई, जिससे जर्मनी के पुनर्मिलन और शीत युद्ध के अंत में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया गया। 11 नवंबर, 1918 को प्रथम विश्व युद्ध आधिकारिक तौर पर आर्मिस्टिस के हस्ताक्षर के साथ समाप्त हुआ।

इस दिन को अब विभिन्न देशों में आर्मिस्टिस डे या वेटरन्स डे के रूप में याद किया जाता है। 22 नवंबर, 1963 को अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी की हत्या डलास, टेक्सास में की गई एक ऐसी घटना थी जिसने अमेरिकी राजनीति और संस्कृति को काफी प्रभावित किया।

26 नवंबर, 1942 को पर्ल हार्बर में अमेरिकी नौसेना अड्डे पर जापानी हमला एक महत्वपूर्ण घटना थी, जो द्वितीय विश्व युद्ध में प्रवेश कर रही थी। 30 नवंबर, 1803 को संयुक्त राज्य अमेरिका ने औपचारिक रूप से फ्रांस से लुइसियाना क्षेत्र पर कब्जा कर अपने क्षेत्र का काफी विस्तार किया था।

दीवाली और छट जैसे सर्वाधिक लोगों द्वारा मनाए जाने वाले त्योहारों के साथ ही नवंबर का महीना छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड और झारखण्ड के लोगों के दशकों से संजोये गये अलग प्रदेश के सपने के साकार करने का महीना भी है। वर्ष 2000 में इसी महीने की पहली तारीख को छत्तीसगढ़ भारतीय गणतंत्र को छब्बीसवां, 9 नवंबर को उत्तराखण्ड 27वां और 15 नवंबर को झारखण्ड 28वां राज्य बना था।

भारत के इतिहास में सम्पूर्ण नवंबर महीने से भी महत्वपूर्ण इस महीने की पहली तारीख है जिस दिन वर्षों पहले देश के विभिन्न राज्यों का भाषा के आधार पर पुनर्गठन करने का फैसला लिया गया था। साल 1956 से लेकर साल 2000 तक इसी दिन भारत के 6 अलग-अलग राज्यों का जन्म हुआ। सन् 1956 में नवंबर के महीने पहली तारीख को जन्में राज्यों में कर्नाटक, केरल, राजस्थान और मध्यप्रदेश शामिल हैं।

राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत तमिलनाडु और कर्नाटक के क्षेत्र काट कर केरल राज्य बना। जबकि, 1 नवंबर को भाषा के आधार पर ही मैसूर का गठन किया गया जिसका 1973 में कर्नाटक नामकरण किया गया।

इसी तरह विभिन्न राजशाही वाली रियासतों को मिलाकर राजस्थान का गठन हुआ।पश्चिम बंगाल का नये क्षेत्रों के साथ पुनर्गठन भी 1 नवंबर 1956 को ही हुआ था। इनके अलावा इसी महीने की इसी तिथि को वर्ष 1966 में पंजाब और हरियाणा राज्य अलग-अलग अस्तित्व में आये थे।

हार, हार, हार... रोहित-विराट के जीवन में आई 'सुनामी'

नित्यानंद पाठक

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड कुछ महीने पहले टीम इंडिया के लिए हेड कोच ढूंढ रही थी। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी-20 विश्व कप के साथ ही खत्म हो रहा था। क्रिकेट पर रूल करने वाली बीसीसीआई के पास अकूत दौलत है तो दुनिया के किसी भी कोच को टीम इंडिया से जुड़ने में खुशी होती। हालांकि, टीम इंडिया का कोच बनना किसी भी बड़े खिलाड़ी या कोच के लिए आसान को सकता है, लेकिन उम्मीदों का भारी बोझ झेल पाना हर किसी के बस की बात नहीं है। टीम हारती है तो सिर्फ खिलाड़ी आलोचना का शिकार नहीं होते, बल्कि कोच को कहीं अधिक लानत-मलानत झेलनी पड़ती है। तभी तो लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच जस्टिन लैंगर से जब कोच बनने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने सीधे शब्दों में कहा था- 'ना बाबा ना', भारत का कोच नहीं बनना...। लैंगर के इस 'ना' के पीछे केएल राहुल थे।

खैर, भारतीय टीम के चाहने वालों की संख्या जितनी बड़ी है, वे उतने ही बड़े दिल वाले भी हैं। टीम की हार के बावजूद खुशी का कोई न कोई कारण ढूंढ ही लेते हैं। हालांकि, रोहित सेना ने जब न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार तीसरे मैच में घुटने टेके तो उनकी सब्र का बांध टूट गया। सोशल मीडिया पर आलोचना का दौर चला। रोहित शर्मा को कप्तानी ओर गौतम गंभीर को कोचिंग से हटाने की मांग हो रही है तो दूसरी ओर कहा जा रहा है कि हिटमैन और विराट कोहली घर में आखिरी टेस्ट खेल चुके हैं। पूर्व क्रिकेटर भी जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने खुद गलती स्वीकार की, लेकिन गौतम गंभीर अभी तक मीडिया के सामने नहीं आए हैं।

कप्तान के तौर पर रोहित के पास गलती स्वीकार करने के अलावा कोई चारा नहीं था, लेकिन गौतम गंभीर ऐसे खिलाड़ी नहीं रहे, जो आसानी से हार मान लें। वह अपने आप में फाइटर रहे हैं। मैदान पर उन्हें बड़े मैचों के खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने हर बड़े मौके पर भारतीय टीम के लिए परफॉर्म किया। यही वजह है कि जब उन्होंने अपनी मेंटॉरशिप में कोलकाता नाइटराइडर्स को आईपीएल 2024 का चैंपियन बनाया तो हेड कोच का पद उन्हें थाल में सजाकर दिया गया। उन्हें जब कोच बनाया गया तो टीम इंडिया टी-20 विश्व कप की खुमारी में डूबी हुई थी। एक ऐसी टीम के रूप में दिख रही थी, जिसमें कोई कमी नहीं थी।

29 जून को हुए टी-20 विश्व कप फाइनल के 4 महीने में ही भारतीय टीम बुरे दौर से गुजरती दिख रही है। अर्श से फर्श पर का इससे सटीक उदाहरण नहीं मिल सकता। टी-20 क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रोहित शर्मा और विराट कोहली श्रीलंका में वनडे सीरीज में बुरी तरह फेल रहे। भारत गौतम गंभीर की कोचिंग में पहली वनडे सीरीज हारा। इसके बाद अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट इतिहास की सबसे शर्मनाक हार के बाद गौतम गंभीर को कटघरे में खड़ा कर दिया। साथ ही रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के टेस्ट करियर को बड़ा झटका लगा है।

गौतम गंभीर जानते हैं कि भारतीय टीम का खिलाड़ी होना, कप्तान होना और कोच होने का मतलब क्या है। यहां हीरो को जीरो बनने में देर नहीं लगती है। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और आलोचना झेल चुके हैं तो उनकी चमड़ी मोटी हो गई है, लेकिन दूसरी ओर रोहित शर्मा और विराट कोहली का दम जरूर घुट रहा होगा। उन्हें पता है कि यह होम सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने की चाबी थी, लेकिन हार के बाद उसका रास्ता अब बहुत मुश्किल हो गया है। उसे ऑस्ट्रेलिया में 5 में से 4 मैच जीतने होंगे, जबकि एक ड्रॉ खेलना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो न केवल उसका आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पत्ता कटेगा, बल्कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का टेस्ट करियर भी शायद खत्म हो जाए।

शर्मनाक हार के दोषी चार धुरंधरों को दें संन्यास

विनोद पाठक

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया घर में टेस्ट सीरीज 3-0 से हार गई। इस शर्मनाक हार के कारणों को लेकर मंथन जारी है, लेकिन इस सीरीज को गंवाने में चार खिलाड़ी मुख्य रूप से दोषी नजर आते हैं। पहले स्वयं कप्तान रोहित शर्मा हैं, दूसरे पूर्व कप्तान विराट कोहली, तीसरे ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा व चौथे रविचंद्रन अश्विन हैं। इन चारों खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता के अनुसार खेल का प्रदर्शन नहीं किया।

बेंगलुरु में पहला टेस्ट मैच बारिश के कारण बाधित रहा, लेकिन मात्र ढाई दिन में न्यूजीलैंड ने इस मैच को 8 विकेट से जीत लिया। इस टेस्ट मैच में रोहित शर्मा ने पहली पारी में दो और दूसरी पारी में मात्र 52 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 70 रन, रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में शून्य व दूसरी पारी में पांच और रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में शून्य व दूसरी पारी में 15 दिन जोड़े। इस मैच की पहली पारी में भारत 46 रनों पर ऑल आउट हो गया था। दूसरा टेस्ट मैच पुणे में खेला गया, जिसमें न्यूजीलैंड ने 113 रनों से जीत दर्ज की।

इस मैच में भी रोहित शर्मा पहली पारी में अपना खाता नहीं खोल सके, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 8 रन बनाए। विराट कोहली ने पहली पारी में एक रन व दूसरी पारी में 17 रन, रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में 38 व दूसरी में 42, जबकि रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में चार व दूसरी पारी में 18 रन की पारी खेली। दूसरे टेस्ट में भी खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस बेहद दोयम दर्जे का रहा।

तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया, जिसे न्यूजीलैंड की टीम ने 25 रनों से जीता। भारत को न्यूजीलैंड ने चौथी पारी में 147 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन हमारे कागजों में रिकॉर्डधारी बल्लेबाज लक्ष्य से पीछे रह गए। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने पहली बारी में 18 व दूसरी में 11 रन, विराट कोहली ने पहली पारी में चार व दूसरी में एक रन, रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में 14 व दूसरी में 6 रन और रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में 6 व दूसरी पारी में 8 रन ही बनाएं।

बांग्लादेश के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया के हौसले बुलंद थे, लेकिन न्यूजीलैंड के आगे जिस तरह से टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने हथियार डाले हैं, वो आश्चर्यजनक है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों से यह उम्मीद की जाती है कि वो टीम इंडिया को मजबूती प्रदान करेंगे।

रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ऑलराउंडर की भूमिका में टीम में शामिल किए गए हैं। दोनों को निचले क्रम में बल्लेबाजी को मजबूत करना होता है। इस टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, सरफराज और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों ने जरूर थोड़ा संघर्ष किया और स्कोर बोर्ड पर रन लगाए।

घर में हार के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को धक्का लगा है। टीम इंडिया को आगे ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज खेलनी है। अब इस सीरीज में उन्हें ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से उसके घर में पराजित करना होगा, जो फिलहाल संभव नजर नहीं आता है।

घर में हारकर टीम इंडिया ने अपनी तैयारियों की पोल भी खोल ली है।

जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास लिया है। यदि ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर ये खिलाड़ी अच्छा परफॉर्मेंस नहीं करते तो इन्हें टेस्ट क्रिकेट से भी ने संन्यास दे दिया जाना चाहिए। रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन भी अपने करियर की ढलान पर हैं। दोनों को संन्यास ले लेना चाहिए। अब जरूरत युवाओं की नई टेस्ट टीम खड़ा करने की है।

मंडी में तौल-कांटे की पूजा के साथ शुरू हुआ खरीदी का दौर

मुहूर्त में 5851.25 पैसे क्विंटल बिका सोयाबीन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। दीपावली के चलते एक सप्ताह से बंद पड़ी मंडी के मुहूर्त में खुलने पर व्यापारियों ने तौल कांटे की पूजा-अर्चना की और इसके बाद खरीदी का कार्य शुरू हो गया। इसीके साथ सूनी पड़ी कृषि उपज मंडी में फिर से किसानों के आने से चहल-पहल का माहौल बन गया। वहीं इस दिन पहले मंडी पहुंचने वाले किसान का मुहूर्त में तेज दामों पर अनाज खरीदा गया। उल्लेखनीय है कि धनतेरस से कृषि उपज मंडी में उपज खरीदे जाने का काम बंद हो गया था। वहीं पुरानी परंपरा के चलते सोमवार को जब मंडी खुली तो इस दिन व्यापारियों द्वारा तौल-कांटे की पूजा-अर्चना कर मुहूर्त में खरीदी की गई। मुहूर्त की बोली में सबसे पहले अपनी सोयाबीन की उपज लेकर मंडी पहुंचे मझानिया के किसान ईश्वरसिंह पिता नारायणसिंह से खरीदी की गई। मुहूर्त में भीमावत ट्रेडिंग कंपनी द्वारा कृषक से करीब 7 बोरी सोयाबीन की खरीदी की गई और इसके एवज में किसान को 5851 रुपए 25 पैसे के दाम से भुगतान किया गया। इसी तरह ग्राम टुकराना के

किसान मयंक से शंखेश्वर ट्रेडिंग कंपनी द्वारा 8 बोरी सोयाबीन 5151 रुपये 25 पैसे क्विंटल, श्रीराम ट्रेडर्स द्वारा टुकराना के किसान नवीन से 5 बोरी सोयाबीन 5721, 25 पैसे, श्रीनाथ ट्रेडिंग कंपनी द्वारा बांगली के कृषक धन्नालाल से 2 बोरी सोयाबीन 5151.25 पैसे क्विंटल के हिसाब से खरीदा गया। साथ ही आशीष ट्रेडर्स द्वारा दुपाड़ा के किसान धीरज से 5 बोरी गेहूं 2721 रुपए 25 पैसे क्विंटल के दाम पर खरीदी गई। इसके बाद विधि-विधान के साथ खरीदी का दौर शुरू हुआ और मंडी में इस दिन करीब 6024 क्विंटल सोयाबीन की खरीदी की गई। मंडी में इस दिन सोयाबीन का भाव 3300 रुपए से 5851 रुपए तक रहा। साथ ही मंडी में गेंहू, मसूर की खरीदी भी की गई।

किसान का साफा बांधकर किया स्वागत- दीपावली के बाद मंडी खुलने पर इस वर्ष मुहूर्त में उपज बेचने वाले किसानों का व्यापारियों ने परंपरानुसार साफा बांधकर स्वागत किया। मंडी से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को सोयाबीन के अलावा 413 बोरी गेहूं की भी खरीदी की गई और इस दिन गेहूं का दाम 2500 से 2952 रुपए क्विंटल रहा। इसी तरह 1 बोरी रायड़ा, चना विशाल, मसूर दाल की भी खरीदी की गई।

सज गया अहंकारी कंस का दरबार

कंस वधोत्सव की तैयारियां हुई शुरू, दशमी पर लाठियों से किया जाएगा वध

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। शहर में भव्य रूप से मनाए जाने वाले अनूठे प्राचीन और ऐतिहासिक कंस वधोत्सव के आयोजन को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं और इसीके चलते सोमवारिया बाजार कंस चौराहे पर अहंकारी कंस का पुतला तैयार कर गत दिनों बैठा दिया गया है। देश में मथुरा के बाद शाजापुर शहर में बड़े पैमाने पर कंस वधोत्सव का आयोजन किया जाता है और इस कार्यक्रम को देखने के लिए शाजापुर के अलावा प्रदेश के कई जिलों से लोग आते हैं। गौरतलब है कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पुरानी परंपरा का निर्वहन कर आगामी कंस दशमी को कंस का वध किया जाएगा। आयोजन के सफल संचालन को लेकर रूपरेखा तैयार करली गई है। कंस वधोत्सव समिति सदस्यों ने बताया कि कंस एवं श्रीकृष्ण और उनकी सेना के बीच जबरदस्त वाकयुद्ध होगा। इसके बाद रात पुराना अस्पताल स्थित बालवीर हनुमान मंदिर से पारंपरिक चल समारोह शुरू होगा। चल समारोह में युवकों एवं वरिष्ठजनों को

श्रीकृष्ण तथा कंस के रूप में सजाया जाएगा। साथ में दोनों की सेना भी होगी जिसमें कृष्ण-कंस के अलावा बलराम, मनसुखा आदि शामिल होंगे। बड़ा चौक में जमकर वाकयुद्ध होगा फिर चल समारोह नई सडक़ मगरिया होता हुआ सोमवारिया पहुंचेगा, जहां कंस के वध के पूर्व वाद-संवाद होगा। रात 12 बजे कंस के पुतले को लाठियों से पीटते हुए मंच से नीचे गिराया जाएगा, इसके बाद गवली समाज के लोग पुतले को घसीटते हुए अपने साथ ले जाएंगे। शहर में इस बार कंस वधोत्सव की परंपरा का 275वां साल है।

274 साल पुराना इतिहास- सोमवारिया बाजार स्थित पुष्टीमार्गीय श्रीगोवर्धननाथ मंदिर के मुखिया स्व मोतीरामजी मेहता गेबीजी द्वारा उक्त कार्यक्रम की स्थापना की गई थी। लगभग 274 वर्ष पूर्व मुखिया स्व मेहता ने मथुरा में कार्यक्रम आयोजित होते हुए देखा और कंस के वधोत्सव कार्यक्रम को शाजापुर में आयोजित कराने की ठानी। इसके बाद से मेहता परिवार द्वारा कंस वधोत्सव की व्यापक तैयारियां की जाने लगीं। करीब 125 साल तक मंदिर में कंस लीला का आयोजन होने लगा। बाद में इस ऐतिहासिक कंस वधोत्सव कार्यक्रम ने सार्वजनिक रूप ले लिया और तभी से यह कार्यक्रम कंस चौराहे पर आयोजित हो रहा है। यह कार्यक्रम दीपावली के पश्चात आने वाली दशमी को मनाया जाता है जिसे कंस दशमी के नाम से जाना जाता है।

न्याय के प्रति जागरूक करने निकाली बाइक रैली

कमजोर वर्ग को निःशुल्क विधिक सहायता योजना का लाभ उठाने का दिया संदेश

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर द्वारा विधिक सेवा योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं उक्त योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में जानकारी एवं जन सामान्य तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य विधिक जागरूकता अंतर्गत बाइक रैली निकाली गई। रैली को सोमवार सुबह प्रधान जिला एवं न्यायाधीश ललित किशोर के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। न्यायाधीश ने कहा कि रैली का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाना है जो न्यायिक और कानून दृष्टि से कमजोर या अनभिज्ञ हैं। रैली जिला न्यायालय से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली के माध्यम से लोगों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मिलने वाली सुविधा और न्याय के बारे में बताया गया। इस

मौके पर प्रधान न्यायाधीश ललित किशोर ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पीड़ितों के लिए तमाम योजनाएं चलाई जाती हैं, जिसका उद्देश्य पीड़ित और समाज के कमजोर वर्ग को न्याय दिलाना है। विधि प्राधिकरण सेवा चाहता है कि लोग उनकी योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाकर अपने आपको राष्ट्रीय विधिक सेवा नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करें। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विवेक शर्मा, विशेष न्यायाधीष एवं अंजनी नंदन जोशी, जिला न्यायाधीश मुकेश रावत, दिनेशकुमार नोटिया, धर्मेन्द्र सोनी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सिराज अली, सुनयना श्रीवास्तव, आदिल अहमद खान, डॉ स्वाती चौहान, सतीश कुमार शुक्ला, धीरज आर्य, फारूकअहमद सिद्दीकी, इन्दरसिंह गामी, ऐजाज उद्दीन खान, यंश पुरविया, शुभम उमठ सहित न्यायालय कर्मचारी मौजूद थे।

श्री अटल कामधेनु गौसेवा संस्थान में संपन्न हुई गोवर्धन पूजा

नपा अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा व पार्षद पवन चीनी रहे उपस्थिति

अनूपपुर, शनिवार को श्री अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान धनपुरी में आयोजित कार्यक्रम के बारे में गौ सेवा प्रमुख राम दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉक्टर आचार्य श्री राम मनोहर शास्त्री के और गीता अनुरागी के द्वारा हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी गौ माता की सुंदर कथा और गोवर्धन पूजा नि:शक्त, दिव्यांग गौ माता सेवा को समर्पित श्री अटल कामधेनु गौसेवा संस्थान में 2 नवंबर को प्रकृति और गौ संवर्धन को समर्पित गोवर्धन पर्व में गायों की पूजा अर्चना कर, गिरिराज महराज को 56 भोग लगाकर सांकेतिक परिक्रमा कर गौरक्षा गौसेवा का संकल्प लिया गया जिसमें नगर पालिका धनपुरी की

अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा की उपस्थिति के साथ नगर के वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा,नगर परिषद बरगवां अमलाई के पार्षद समाजसेवी पवन चीनी, राजस्व विभाग से पटवारी पृथ्वी सिंह, गौ सेवा संस्थान के संरक्षक दीपक माझी (लालू), अरविंद रजक, प्रदीप शर्मा, अनूप तिवारी, मनीष सेठिया, चंद्र प्रकाश बर्मन, विजय भोमिया, गोलू, रघु, कपिल सेन, अभिजीत, प्रिन्स, हर्षवर्धन सिंह, आदर्श गुप्ता, पवन पाल तथा जीव जंतु प्रेमी सहित धनपुरी नगर वासी कार्यक्रम में सम्मिलित रहे हैं।

दमोह में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण

सत्पर्णी व अन्य 6 पौधे लगाए गए

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर दमोह जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण जिसमें 6 पौधे लगाए गए। एक पौधे आम का, दो पौधे कांजी के और एक पौधे सत्पर्णी और दो पौधे कदम, के कुल 6 पौधे लगाए गए। पत्रकार धीरज कुमार, महेंद्र सिंह, जिला जनसंपर्क कार्यालय में पदस्थ के, एल, मेहरा शोभा पटेल द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

सहारनपुर जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बैंक शाखा प्रबंधक को दिया निर्देश

बैंक शाखा प्रबंधक पेंशनरों का जीवित प्रमाण पत्र सत्यापित कर कोषागार को करें अग्रसारित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबंधक को निर्देशित किया है कि पेंशनरों द्वारा बैंकों में जीवित प्रमाण पत्र दिये जाने पर मना न किया जाए अपितु स्वीकार कर सत्यापित उपरांत कोषागार में अग्रसारित किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि पेंशनर का जिस बैंक में खाता है उस बैंक प्रबंधक को भी पेंशनर का जीवित प्रमाण पत्र लिये जाने हेतु प्राधिकृत किया गया है। उन्होंने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि आदेशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

राज्य मंत्री पटेल ने ग्राम खडेरी में छात्र-छात्राओं को की साइकिल वितरित

दमोह। प्रदेश के पशुपालन, डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल आज पथरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम केरबना और खडेरी पहुंचे। श्री पटेल केरबना में ग्रामीणों से मिले तथा उनकी समस्याएं सुनी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़ेरी पहुंचकर निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत विद्यालय के 75 छात्र-छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई । इस अवसर पर राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा सरकार किसानों से लेकर हर वर्ग के लोगों को पात्रता के अनुसार सुविधा मुहैया करा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुसार छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में किसी प्रकार की परेशानी ना हो, सुविधा से स्कूल जा-आ सके इसकी भी पूरी व्यवस्था सरकार ने की है। उन्होंने कहा साइकिल का वितरण किया गया है अब छात्र-छात्राएं साइकिल से विद्यालय आ और जा सकेंगी। उन्होंने छात्रों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा बेटियां अच्छा पढ़े लिखे, अच्छे नंबर लाएं और अपने माता-पिता परिवार, ग्राम, जिले तथा प्रदेश में अपना नाम रोशन करें।

विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का हुआ शुभारंभ

बाईक रैली निकाल कर दिया गया जनजागरूकता का संदेश

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में 4 नवंबर से 9 नवंबर तक न्यायोत्सव, विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत सोमवार 04 नवम्बर को बाइक रैली के माध्यम से न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री नरेन्द्र पटेल एवं जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मोनिका आध्या द्वारा हरी झंडी दिखाकर जिला न्यायालय परिसर से किया गया। प्रशासनिक न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्री पी.सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में न्यायोत्सव का उद्देश्य आमजन में विधिक जागरूकता एवं जनसामान्य तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। इस दौरान मुख्य न्यायिक मजिस?ट्रेट श्रीमती चैनवती ताराम, न्यायिक मजिस?ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री अंजली शाह, न्यायिक मजिस?ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती पारूल जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलावर सिंह, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव श्री राम कुमार राठौर एवं सह सचिव श्री गणेश गिरी गोस्वामी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री संतदास नापित, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री शाबिर अली, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री रामकृष्ण सोनी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती शोभा पटेल, श्री विकास शुक्ला एवं श्री आयुष सोनी, पुलिस एवं यातायात पुलिस कर्मी, पैरा लीगल वॉलिंटियर, पैनल अधिवक्ता एवं न्यायालयीन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के कर्मचारीगण उपस्थित रहें। उक्त बाइक रैली जिला न्यायालय के प्रांगण से प्रारंभ होकर अमरकंटक तिराहा से वापिस होकर जिला न्यायालय प्रांगण में समाप्त हुई।

अनुपपुर में जनता दरबार का हुआ आयोजन

नगरपालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित मध्यप्रदेश शासन मंत्री दिलीप जैसवाल नें सभी को दिये दीपावली की बधाई

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, पौराणिक परम्परा के अनुसार त्रेतायुग से भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी के आदर सत्कार एवं विजय पर्व को मनाने की एक बहुत पुरानी परम्परा दीप प्रज्वलन का चलता आ रहा है और आज भी हमसब उसी खुसीको बर्करार रखते हुए दीपावली का त्यौहार बडे धूमधाम से मनाते है। उसी खुसी में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल का स्वागत करने के लिए बिजुरी नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती सहबिन पनिका उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा एवं मंडल के मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र महरा के सौजन्य से अतुल्यम पैलेस में एक स्वल्पाहार (भजिया,समोसा) की व्यवस्था रख कर नगर के सभी सम्मानित जानों एंव संगठन के सभी पदाधिकारियों,कार्यकर्ता एवं सभी पत्रकारों को आमंत्रित करके एक सुन्दर कार्यक्रम का आयोजन किये। मंत्री दिलीप जैसवाल नें सब का मनमुग्ध कर दिया ।। मध्य प्रदेश के शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में दीपावली मिलन समारोह में बिजुरी नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सहबिन पनिका अपने संबोधन में नगर के समस्त जन समुदाय को ढेरों ढेर बधाइयां देते

हुए मंत्री जी का दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा है की आपके मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशों का पालन करते हुए बिजुरी को स्वस्थ और सुंदर बनाने की हर कोशिश करती रहूंगी।

वही मध्य प्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने सभी कार्यकर्ताओं पत्रकारोंऔर आम जनता को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन में सरकार की तमाम उपलब्धियां को बताते हुए कहा है की भारतीय जनता पार्टी हमारी वह पार्टी है जो प्रदेश को बीमारू राज्य के दज से बाहर लाकर आज बिजली शिक्षा स्वास्थ्य एवं परिवहन की दिशा में दिनों दिन प्रगति और विकास की ऊंचाइयों पर लाकर दिखाया वही कोरोना काल की तमाम उपलब्धियों को भी बताया है । वही गौ माता की व्यवस्थाओं के लिए बिजली में भी एक विशाल गौशाला बनवाने की बात कही है। ।कार्यक्रम का समापन किया आर,आई, लखन पनिका नें।। कार्यक्रम के समापन में नगर पालिका के आर ए लखन पनिका ने मध्य प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल को आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि हम सब का सौभाग्य है कि हमें आपका मार्गदर्शन मिलता रहता है आभार की कड़ी में सभी नगर के सम्मानित जनों का नगर के सभी पत्रकार बंधुओ का एवं संगठन के सभी पदाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए सभी को आत्मिक आभार व्यक्त किया।

अजगर ने वृद्ध की गर्दन जकड़ी, दम घुटने से मौत...

दूसरे दिन भी दिखा भुआबिछिया में बाघ

मंडला। रात के अंधेरे में अजगर ने एक वृद्ध पर हमला कर दिया और उसकी गर्दन कसकर जकड़ ली। जिस वजह से उसका सांस लेना मुश्किल हो गया। वृद्ध को अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं भुआबिछिया नगर के लोग भय के कारण अपने घरों से निकल नहीं पा रहे हैं। जिस ओर बाघ के विचरण करने की खबर है,उस तरफ जहां वन अमला सड़क से ही निगरानी रख रहा है,धान के खेतों में अंदर नहीं जा पा रहा।रास्ते में खेत की मेढ़ पर घास में छिपकर बैठा अजगर उनके पैर में लिपट गया। जिससे वह हड़बड़ाकर वहीं गिर पड़े। इसके बाद अजगर ने धीरे-धीरे उनकी गर्दन को कसकर जकड़ लिया। काफी देर बीत जाने पर जब वह घर नहीं लौटे तो, उनका दामाद खोजने गया। लेकिन यह नजारा देख वह सन्न रह गया। अजगर प्रेम लाल की गर्दन को लपेटे हुए था। युवक के शोर मचाने पर ग्रामीण पहुंच गए। उन्होंने जैसे-तैसे गर्दन से अजगर को छुड़ाया। बेहोशी की हालत में वृद्ध को बहमनी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद प्रेम लाल को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू किया। अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया बाघ भी धान के खेतों से मिलता रंग होने के कारण अपने आप को छि?पा रहा है। जिससे उसकी तलाश नहीं हो पा रही है। जिससे लोगों में अब भय का वातावरण और अधिक बढ़ गया है।

इन क्षेत्रों में कर रहा विचरण- बताया जा रहा है कि रविवार को बाघ भुआबिछिया के वार्ड नंबर 13 और जंतीपुर में देखा गया था। उसके बाद शाम को तहसील के पास गया ठाकुर के घर के पीछे देखा गया। देर रात्रि में बिछिया जलाशय के जल द्वार के पास करीब 2 बजे देखा गया। सोमवार को भी बाघ देखा गया। 12 से दो बजे के बीच सरारटोला और डुंगरा के बीच देखा गया। वहीं शाम को 6 बजे के लगभग डुगरा गांव के गौरी जंघेला की बाड़ी और बसंत जंघेला के खेत के बीच देखा गया है।

प्राथमिक शाला के पीछे लगी बस्ती में उसने एक बेल पर भी हमला किया- रात 3 बजे के लगभग सरारटोला के प्राथमिक शाला के पीछे लगी बस्ती में उसने एक बेल पर भी हमला किया, जिससे बैल को गर्दन में चोट है। बताया जा रहा है कि बैल भुआ बिछिया नगर के जंतीपुर,सरारटोला, भडंगा मुहल्ला, डुंगरा गांव के आसपास विचरण कर रहा है।

शौच के लिए भी निकलने से डर रहे लोग- जिन क्षेत्रों में बाघ का मूवमेंट है,वहां दहशत बहुत अधिक बनी हुई है। लोग बैल पर हमले के बाद दूसरे दिन बाघ के डर से शौच के लिए भी बाहर नहीं जा पा रहे हैं। भय लग रहा है कि कहीं वे खुले में गए तो बाघ आकर उन प हमला न कर दे।

लोगों का सड़क में लग रहा जमावड़ा- बाघ का क्षेत्र में विचरण करने की जानकारी लोगों को जब से हुई है। तब से लोग उसका दीदार करने भी सड़क किनारे बड़ी संख्या में जुट रहे हैं। वन विभाग की टीम उन्हें एक निश्चित दूरी से अधिक पर नहीं जाने दे रही है। वन अमला भी लगातार उसकी तलाश में लगा हुआ है।

कान्हा का बताया जा रहा बाघ -बताया जा रहा है कि यह जो बाघ भुआबिछिया क्षेत्र में देखा गया है वह कान्हा टाइगर रिजर्व का है। कान्हा से सटा हुआ क्षेत्र होने के कारण इस ओर आ गया है। एसडीओ बफर सिझौरा,कान्हा टाइगर रिजर्व मितेंद्र किचखेड़े ने बताया कि लगातार सर्चिंग की जा रही है।

नेवसा व डुंगरा के बीच लोकेशन बाघ की मिली- बिछिया,मोतीनाला,सिझौरा रेंज,बफर रेंज और कान्हा की रेस्क्यू टीम क्षेत्र में नजर बनाए हुए हैं। गांव में मुनादी कराई गई है। नेवसा व डुंगरा के बीच लोकेशन बाघ की मिली है। हमारा प्रयास है कि बाघ गांव से सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस लौट जाए।

हवन-पूजन के साथ बजाज शुगर मिल के पेराई सत्र का हुआ शुभारंभ

किसानो को शाल व नकद धनराशि देकर किया गया सम्मानित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) सहारनपुर ।

नागल, गांगनोली स्थित बजाज शुगर मिल के नए पेराई सत्र का हवन-पूजन के साथ विधिवत शुभारंभ किया गया। पंडित सुजीत पांडे ने मंत्रोंचार के पश्चात हवन संपन्न कराया। यूनिट हेड हरविश मलिक ने कहा कि समय से चीनी मिल चलने से किसान गेहूं की फसल की समय पर बुवाई कर सकेंगे। उन्होंने किसानों से मिल में अगोला व पत्ती रहित गन्ना आपूर्ति करने की अपील की। इस दौरान मिल में सबसे पहले गन्ना लाने वाले किसान गांगनोली निवासी सोनू धीमान को शाल व नकद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विधायक देवेंद्र निम, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजेंद्र चौधरी, गन्ना समिति चेयरमैन मनोज पुंडीर, किसान नेता अरुण राणा, जितेंद्र चौधरी, दीपेंद्र, श्याम सिंह सैनी, सुनील चौधरी, सुभाष प्रधान, लोकेश राणा, शैलेश प्रधान, आलोक चौधरी (बिट्टू), अनिल चौहान, अखिल राठी, महेश्वर शर्मा, विपिन हांडा, हंस कुमार, सोनी प्रधान, राधेश्याम, महकार सिंह, नवीन कुमार, राजेंद्र सिंह,

कल्याण सिंह, बलविंदर सिंह, रणवीर सिंह, रामकुमार प्रधान, प्रवेश, मास्टर अनिल, लव कुश त्यागी, अनिरुद्ध, मांगेराम प्रधान, सचिन चौधरी, कुशल पाल राणा आदि मौजूद रहे।

अंगारकी चतुर्थी पर आज उज्जैन में विशेष आयोजन

महामंगल के दरबार में लगेगा अन्नकूट

उज्जैन। अंगारकी चतुर्थी पर मंगलवार को अंगारेश्वर व मंगलनाथ मंदिर में अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। शाम 5 बजे महामंगल को पकवानों का महाभोग लगाकर आरती की जाएगी। मंदिर में दीपमालिका सजेगी। पुजारी आतिशबाजी कर दीपावली मनाएंगे।मंगलनाथ व अंगारेश्वर मंदिर की पूजन परंपरा में दीपावली के बाद आने वाले पहले मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है। इस बार मंगलवार को अंगारक चतुर्थी के संयोग में महामहोत्सव मनाया जा रहा है। अंगारेश्वर मंदिर के पुजारी पं. रोहित उपाध्याय ने बताया दोपहर 3 बजे भगवान अंगारेश्वर महादेव का पंचामृत व फलों के रस से महाअभिषेक कर पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद दिव्य स्वरूप में श्रृंगार कर पकवानों का महाभोग लगाया जाएगा। मंदिर परिसर में दीपमालिका सजाई जाएगी। पुजारी, पुरोहित आतिशबाजी कर दीपावली मनाएंगे। इसी प्रकार मंगलनाथ मंदिर में दीपोत्सव मनाया जाएगा। महंत जितेंद्र भारती ने बताया, भगवान मंगलनाथ का अभिषेक पूजन कर विशेष मुखारविंद धारण कराया जाएगा। इसके बाद छप्पन पकवानों का महाभोग लगाकर आरती की जाएगी। अंगारेश्वर व मंगलनाथ मंदिर में मंगलवार को दोपहर 2.30 बजे तक ही भातपूजा होगी। आम दिनों में भक्त शाम 4 बजे तक भातपूजा कराते हैं। अंगारेश्वर महादेव मंदिर के प्रबंधक गोपाल शर्मा ने बताया, अन्नकूट महोत्सव के कारण मंदिर समिति ने परंपरा अनुसार भातपूजा के लिए दोपहर 2.30 बजे का समय निर्धारित किया है। इसके बाद मंदिरों की साफ सफाई कराकर भगवान को अन्नकूट अंतर्गत पकवानों का महाभोग लगाकर आरती की जाएगी। पुजारी, पुरोहित दीपोत्सव मनाएंगे। इससे पहले ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर से कार्तिक-अगहन मास में सोमवार को भगवान महाकाल की सवारी राजसी वैभव से निकली। शिप्रा पूजन के पश्चात अवंतिकानाथ ने परंपरा अनुसार गणगौर दरवाजा से नगर प्रवेश किया। भस्म रमैया भक्त मंडल द्वारा राजा के स्वागत में कांसे से निर्मित झांझ बजाए गए। पुलिस, प्रशासन व मंदिर समिति ने पालकी की सुरक्षा व श्रद्धालुओं की सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए थे। दोपहर 3.30 बजे मंदिर के सभामंडप में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह व प्रशासक गणेश कुमार धाकड़ ने भगवान महाकाल के मनमहेश रूप का पूजन कर पालकी को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र बल की टुकड़ी ने अवंतिकानाथ को सलामी दी इसके बाद कारवां नगर भ्रमण के लिए रवाना किया। मंदिर प्रशासन द्वारा राजाधिराज के स्वागत में सभा मंडप से परिसर व शहनाई द्वार तक रेड कारपेट बिछाया गया था।

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2551 वें निर्वाण महोत्सव पर भव्य स्वर्ण रथयात्रा आयोजित की गई

यात्रा में बैंडबाजों की धुन और भजन मंडली द्वारा मनमोहक भजन प्रस्तुत कर वातावरण भक्तिमय बना दिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) देवबंद ।

सहारनपुर, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2551 वें निर्वाण महोत्सव पर आज भव्य स्वर्ण रथयात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बैंडबाजों की धुन और भजन मंडली द्वारा मनमोहक भजन प्रस्तुत कर वातावरण भक्तिमय बन दिया। जैन समाज एवं श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति द्वारा पारंपरिक पांच दिवसीय महोत्सव के प्रथम दिन नगर में स्वर्ण रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। स्वर्णरथ पर विराजमान भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रथयात्रा श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ मंदिर जी

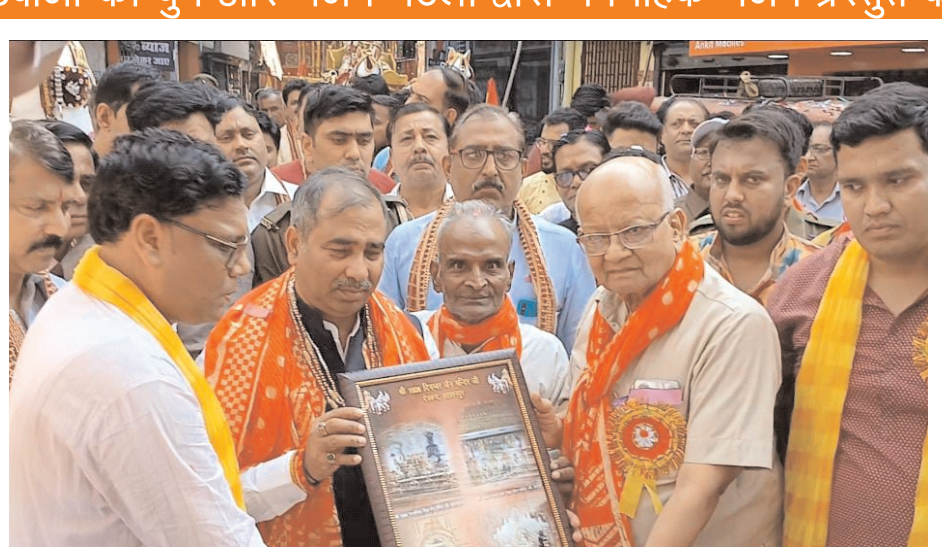

सरागवाड़ा से प्रारंभ होकर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी बाहरा, श्री दिगंबर जैन मन्दिर कानूनगयान से श्री जी को स्वर्ण रथ पर विराजमान कर हनुमान चौक, मेन बाजार, एमबीडी चौक होते हुए श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर नेचलगढ़ पहुंची। जहां बनी पांडुकशिला पर इंद्रों द्वारा 1008 कलशों से श्रीजी के अभिषेक व पूजन के बाद मूर्ति वेदी में विराजमान किया गया। इससे पूर्व राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गर्ग, नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता द्वारा स्वर्ण रथ पर विराजमान श्री जी की आरती की गई व जैन समाज द्वारा राज्य मंत्री बृजेश सिंह, नगरपालिका चैयरमेन विपिन गर्ग, भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता का पटका, पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। श्री जैन मंदिर कानूनगोयान में बीती रात बोलियां व जियो और जीने दो पर आधारित नाटिका का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान को लेकर बैठने वाले ख्वासी बनने का सौभाग्य मुनीश कुमार, अनमोल जैन और रथ का सारथी बनने का सौभाग्य अरुण कुमार, आकाश कुमार जैन को प्राप्त हुआ, साथ ही भगवान के रथ पर कुबेर बनने का सौभाग्य महेश चंद रजनीश कुमार जैन सर्राफ को प्राप्त हुआ। वहीं दाएं इंद्र सिद्धांत जैन व बाएं इंद्र बनने का सौभाग्य विनय जैन को प्राप्त हुआ। स्वर्ण रथ यात्रा में सुदेश जैन, प्रवीण जैन, अजय जैन, अनुज जैन, अंकित जैन, मुकेश जैन, ऋषभ जैन, अर्पित जैन, लक्ष्य जैन, रविंद्र जैन, मुक्तक जैन, अमित जैन, अतुल जैन, धैर्य जैन, शशांक जैन, प्रांशु जैन, पारस जैन, गर्व जैन, हर्षित जैन, नितिका शुभम, नेहा जैन, सुनीता जैन, पायल जैन आदि मौजूद रहे।

हिसार-पुणे और जोधपुर-बांद्रा के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेनज यह रहेगा रूट टाइमिंग और स्टॉपेज

रतलाम। रेलमंडल रतलाम से होकर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 04723 हिसार पुणे स्पेशल 10 व 17 नवम्बर को हिसार से 05.50 बजे चलकर सोमवार को 11.30 बजे पुणे पहुंचेगी। यह ट्रेन रविवार को 20.18 बजे नागदा, 21.00 बजे रतलाम स्टेशन आएगी।वापसी में गाड़ी संख्या 04724 पुणे हिसार स्पेशल 04, 11, 18 नवम्बर को पुणे से 14.30 बजे चलकर अगले दिन मंगलवार को 22.30 बजे हिसार पहुंचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को 05.35 बजे रतलाम एवं 07.08 बजे नागदा आएगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में सादुलपुर, लोहारु, चिड़ावा, झुंझुनू, नवलगढ़, सीकर, रिंगस, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, वसई रोड, कल्याण, कर्जत एवं लोनावला स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन एलएचबी रेक से चलेगी, जिसमें सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। लोगों का कहना है कि लंबे समय से इन रूट पर स्पेशल ट्रेनों की जरूरत थी, जिसका फायदा सभी को होगा।

सिंदूर, अबीर और गुलाल से भस्मारती में सजे महाकाल
दो चंद्र का शृंगार देख श्रद्धालु रह गए दंग

श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्मारती के दौरान आज यानी मंगलवार को बाबा महाकाल का सिंदूर, अबीर और गुलाल से भस्म आरती में आकर्षक शृंगार किया गया। इस दौरान बाबा महाकाल के मस्तक पर दो चंद्र भी लगाए गए, जिसने भी इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया वह देखते ही रह गया। आज भक्तों को दर्शन देने के लिए बाबा महाकाल सुबह चार बजे जागे, जिसके बाद बाबा महाकाल की भस्म आरती धूमधाम से की गई। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी सोमवार पर बाबा महाकाल सुबह चार बजे जागे। भगवान वीरभद्र और मानभद्र की आज्ञा लेकर मंदिर के पट खोले गए, जिसके बाद सबसे पहले भगवान का गर्म जल से स्नान, पंचामृत अभिषेक करवाने के साथ ही केसर युक्त जल अर्पित किया गया। आज बाबा महाकाल भस्म आरती के दौरान कुछ ऐसे शृंगारित हुए कि उनके मस्तक पर दो चंद्र लगाकर बाबा महाकाल को फूलों से शृंगारित किया गया और महानिर्वाणी अखाड़े के द्वारा बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने नंदी हॉल और गणेश मंडपम से बाबा महाकाल की दिव्य भस्म आरती के दर्शन किए और भस्म आरती की व्यवस्था से लाभान्वित हुए। श्रद्धालुओं ने इस दौरान बाबा महाकाल के निराकार से साकार होने के स्वरूप का दर्शन कर जय श्री महाकाल का उद्घोष भी किया।

श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी तो महाकाल मंदिर में चोर गैंग भी हो गई सक्रिय- विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन लाभ लेने पहुंच रहे हैं। इसी दौरान चोर गैंग भी सक्रिय हो गई है। सोमवार सुबह भस्म आरती के दौरान कुछ श्रद्धालुओं ने मंदिर समिति को चोरी की वारदात की शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद समिति के कंट्रोल रूम से कैमरे के माध्यम से दो लोग जयंती और प्रहलाद गुजराती को चिन्हित किया। जो चोरी के दौरान फरियादी के पीछे दिखाई दे रहे थे। मंदिर के सुरक्षाकर्मियों ने दोनों चोरों को तत्काल पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रशासक ने औचक निरीक्षण किया तो फिर पकड़ाई गड़बड़ी- दिवाली के पर्व के बाद महाकाल मंदिर में गुजरात और महाराष्ट्र के भक्त बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस भीड़ का फायदा उठाकर बदमाश चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। सोमवार अलसुबह हुई भस्म आरती और उसके बाद भोग आरती के दौरान महाकाल मंदिर के सुरक्षाकर्मियों ने दो चोरों को रंगे हाथों पकड़ा लिया। इधर, सुबह भस्म आरती में महाकाल मंदिर समिति के प्रशासक ने औचक निरीक्षण किया तो एक सुरक्षाकर्मी दो भक्तों को भस्म आरती में ले जाता हुआ पकड़ा गया, जिसके बाद उसे जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पकड़ाए चोर- गोधरा निवासी जयंती नामक चोर इससे पहले भी 24 जून 2024 को मंदिर से चोरी करते पकड़ा चुका है, जिसके बाद महाकाल थाना पुलिस ने कार्रवाई कर उसे कोर्ट में पेश किया था, जिसके बाद कोर्ट ने उसे भैरवगढ़ जेल भेज दिया था। एक बार फिर सुबह जयंती अपने मित्र प्रहलाद गुजराती से साथ वारदात करने पहुंचा। लेकिन महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में लगे सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से सर्चिंग की गई, उसी के आधार पर चोरों को चोरी करते कमरों में देखा गया। उसके बाद क्यूआरटी के गार्ड ने उन्हें पकड़कर महाकाल थाना पुलिस के हवाले कर दिया है।

विजन डॉक्यूमेंट भविष्य की आवश्यकताओं के मद्देनजर होगा तैयारः सुब्रमण्यम
मध्यप्रदेश के विकास का ठोस रोडमैप तैयार किया जायेगा- मुख्य सचिव श्री जैन

नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने भोपाल में विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट किक-स्टार्ट मीटिंग में कहा है कि यह भविष्य की आवश्यकताओं और चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए सावधानीपूर्वक तैयार किया जायेगा। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि किक-स्टार्ट मीटिंग मध्यप्रदेश के विकास का ठोस रोडमैप तैयार करने में महत्वपूर्ण होगी। मध्यप्रदेश के विकास के लिये तैयार किये जाने वाले रोडमैप के मद्देनजर हुई बैठक में बताया गया कि अगले पाँच वर्षों में मध्यप्रदेश की जीडीपी 27.2 लाख करोड़ और 2047 तक इसे 250 लाख करोड़ तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। मध्यप्रदेश को 2047 तक आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उन्नति का एक आदर्श राज्य बनेगा। प्रत्येक नागरिक को रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन की उच्च गुणवत्ता की सुविधा मिलेगी। मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश बनेगा। बैठक की शुरुआत योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल ने स्वागत भाषण दिया और धन्यवाद ज्ञापन राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 के स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का आह्वान किया था। इसके तहत नीति आयोग के सहयोग से मध्यप्रदेश ने विकसित मध्यप्रदेश@2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नीति आयोग के सीईओ श्री सुब्रमण्यम ने कहा कि मध्यप्रदेश से उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने विजन डॉक्यूमेंट को भविष्य की जरूरतों और चुनौतियों के मद्देनजर सावधानीपूर्वक तैयार करने पर जोर दिया। श्री सुब्रमण्यम ने कहा कि दस्तावेज को केवल वर्तमान आवश्यकताओं का संग्रह न बनाकर भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का अनुमान लगाते हुए पांच-पांच वर्ष की योजना में विभाजित किया जाए। मुख्य सचिव श्री जैन ने राज्य की प्राथमिकताओं और चुनौतियों पर चर्चा करते हुए बताया कि विजन डॉक्यूमेंट का निर्माण सिर्फ एक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि इसमें मध्यप्रदेश के विकास का एक ठोस रोडमैप तैयार किया जाएगा। श्री जैन ने कहा कि अधिकारियों को गहन अध्ययन और राज्य के विभिन्न हितधारकों से संवाद कर विजन को जमीनी स्तर पर लागू करने की दिशा में जी-जान से कार्य करना होगा। प्रमुख सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री शुक्ल ने बताया कि विकसित मध्यप्रदेश का विजन कृषि, एमएसएमई, पर्यटन, स्वास्थ्य, और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर आधारित होगा। बैठक में फोकस क्षेत्रों में फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, और टेक्सटाइल के अलावा फूड प्रोसेसिंग में निवेश बढ़ाने की जरूरत पर भी चर्चा की गई। प्राइवेट एयरपोर्ट बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। भविष्य की योजनाएँ बैठक में सुझाव दिया गया कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए युवाओं, विश्वविद्यालयों, और सरकारी संस्थाओं सहित विभिन्न आंतरिक और बाह्य हितधारकों के साथ संवाद बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही, प्रत्येक 5 वर्षों के लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य को एक बड़े औद्योगिक केंद्र और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। शहरों का क्लस्टर बनाकर समग्र विकास किया जायेगा। बैठक में प्रमुख सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों ने मध्यप्रदेश के विकास लक्ष्यों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। विजन डॉक्यूमेंट के माध्यम से अगले 25 वर्षों के लिए मध्यप्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का खाका तैयार किया जा रहा है, जो मध्यप्रदेश को देश के सबसे उन्नत और आत्म-निर्भर राज्यों में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

शिवराज ने अपने लिए नहीं मांगे वोट, लेकिन अपने सखा के लिए वोट मांगने पहुंचेंगे गांव-गांव

बुधनी विधानसभा में वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव के बाद ऐसा मौका पहली बार देखने को मिलेगा, जिसमें शिवराज सिंह चौहान स्वयं भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगते हुए नजर आएंगे। इस अवधि में उन्होंने विधानसभा चुनाव में कभी भी वोट नहीं मांगे थे। लेकिन इस बार परिस्थितियां ठीक नहीं होने के कारण उन्हें मैदान में उतरना पड़ रहा है। माना जा रहा है कि अपने खास सखा के लिए वह बुधनी विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचकर जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पहले दौरे कार्यक्रम के मुताबिक वह सात नवम्बर को पिपलानी, छिदगांव काछी व रेहटी में चुनावी सभाओं को संबोधित करने के साथ ही आम मतदाताओं से रूबरू होंगे। बुधनी में विधानसभा का उपचुनाव होना है, जिसमें भाजपा की ओर से रमाकांत भार्गव प्रत्याशी हैं। 2006 से लेकर 2023 तक हुए सभी चुनावों में शिवराज सिंह चौहान भाजपा की ओर से प्रत्याशी रहे हैं। 2006 में हुए उपचुनाव के दौरान उनके द्वारा विधानसभा क्षेत्र में पदयात्रा करते हुए वोट मांगे गए थे। लेकिन उसके बाद हुए आम चुनावों में वह अपने लिए कभी भी बुधनी की जनता के पास वोट मांगने नहीं आए थे। विपक्षी दल से कोई भी नेता चुनाव मैदान में उतरा हो या फिर किसी भी बड़े स्टार प्रचारक की सभा हुई हो उसके बावजूद भी उन्होंने विधानसभा की और अपना रुख नहीं किया था। उनका पूरा चुनाव क्षेत्र के कार्यकर्ता और जनता के हवाले ही रहता था। इसके बावजूद भी हर चुनाव में उनकी जीत का अंतर लगातार बढ़ता ही रहा। लेकिन आगामी 13 नवम्बर को होने वाले उपचुनाव में शिवराज सिंह चौहान को भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगने गांव-गांव दस्तक देना पड़ रहा है। माना जा रहा है कि झारखंड में हो रहे विधानसभा चुनाव की व्यस्तता के बावजूद भी उन्हें बुधनी में अपना समय देना पड़ रहा है। इसके पीछे बड़ा कारण भाजपा प्रत्याशी का कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच पुरजोर विरोध है, जिसे थामने के लिए शिवराज सिंह चौहान मैदान में उतर रहे हैं। उनके द्वारा लगातार भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं व नेताओं से सतत संपर्क बनाकर चुनाव में जुटने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

बुधनी में कांग्रेस की काट है शिवराज- बुधनी विधानसभा में कांग्रेस की काट शिवराज सिंह चौहान हैं, जिन्होंने कांग्रेस के गढ़ को नेस्तनाबूद किया था। उसके बाद से लेकर अभी तक कभी भी कांग्रेस इस विधानसभा पर जीत का परचम नहीं लहरा सकी है। वर्ष 1990 में अपनी राजनीति का आगाज करने के बाद पहला चुनाव उन्होंने 24,000 से भी अधिक मतों से जीता था। उसके बाद से उनकी जीत का कारवां लगातार जारी रहा। लेकिन इस बार शिवराज सिंह चौहान बुधनी विधानसभा से प्रत्याशी नहीं है। ऐसे में कांग्रेस इस मौके को गंवाना नहीं चाहती। शिवराज सिंह चौहान की जन्म और कर्म स्थली कहलाने वाली बुधनी सीट को कांग्रेस के हाथों में नहीं जाने देना चाहते। जिसके कारण वह पुरजोर प्रयास करते हुए भाजपा प्रत्याशी रमाकांत भार्गव (जिन्हें उनका सबसे खास सखा माना जाता है) के पक्ष में मैदान में उतरने वाले हैं।

जनता का मूड, शिवराज के लिए सभी एक, लेकिन भार्गव के लिए चुनौती- बुधनी विधानसभा क्षेत्र की जनता का मूड शिवराज सिंह चौहान के लिए तो हमेशा एक ही रहा है। लेकिन भाजपा के द्वारा घोषित किए गए प्रत्याशी रमाकांत भार्गव के लिए आम जनता चुनौती साबित हो रही है। भाजपा प्रत्याशी का कार्यकर्ताओं के बीच ही पुरजोर विरोध होना पार्टी के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। भाजपा के द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यकर्ता सम्मेलन(दीपावली मिलन समारोह) में भी पार्टी कार्यकर्ताओं की कम उपस्थिति नेताओं के लिए चिंता का कारण बन गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़
सांझी संस्कृति को सहेजते हुए विकास के पथ पर अग्रसर : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सांझी संस्कृति को सहेजते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश दोनों राज्य सगे भाई है। दोनो राज्यों की साझा संस्कृति है, साथ ही साझा विचार और साझा राष्ट्रवादी भाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रायपुर में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस समारोह राज्योत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में ही छत्तीसगढ़ राज्य का उदय हुआ। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास की असीम संभावनाओं का आंकलन कर निर्णय लिया। आज वनांचल और माइनिंग के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य है। पूरे प्रदेश में विकास के नए आयाम रचे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अब डबल इंजन की सरकार तेजगति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन भूमि का संबंध भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से रहा है। मां कौशल्या और माँ शबरी ने भी इस भूमि का उद्धार किया है। माता शबरी के झूठे बेर भगवान श्रीराम के द्वारा खाने का गौरवशाली प्रसंग जनजातीय संस्कृति को गौरवान्वित करता है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात ये सभी राज्य भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के आध्यात्मिक प्रसंगों को अपने में समेटे हुए है। इस गौरवशाली अतीत को भावी पीढ़ी के सामने लाने के लिए हमारी सरकार मिलकर काम करेगी। भगवान श्रीराम के पदचिन्हों पर बनने वाले श्रीराम वन-गमन पथ के साथ साथ भगवान श्रीकृष्ण के प्रसंग स्थलों को चिन्हित करते हुए धार्मिक तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का दीप प्रज्ज्वलित और देव नगाड़ा बजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और श्री अरूण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद श्री ब्रजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, समाजसेवी, कलाकार और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

तस्वीरों में देखिए बुंदेलखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रनेहफाल और खजुराहो, जानें कैसे पहुंचे देखने

छतरपुर जिले में खजुराहो से 22 किलोमीटर दूर रनेह जलप्रपात पड़ता है। जो कि केन नदी के तट में स्थित है। इस रनेहफॉल को 2017 में देश के सबसे ज्यादा पसंद करने वाले वाटरफॉल श्रेष्ठ हॉलीडे अवार्ड से नवाजा गया था। ये मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में पड़ता है और विशेषज्ञ बताते हैं कि रनेहफॉल लगभग 460 मिलियन वर्ष पहले ज्वालामुखी विस्फोट से जन्मी एक भव्य घाटी है। पांच प्रकार की आग्नेय चट्टानों से बनी है। ग्रेनाइट, डोलोमाइट, बेसाल्ट, जैस्पर और क्वार्ट्ज। यही चीज घाटी को उसका रंग देती है। टाउन से डेली पैसेंजर ट्रेन खजुराहो के लिए चलती है, जिसका किराया 50 रुपये से भी कम है। यहां के लोग जब चाहे तब खजुराहो निकल जाते हैं और बागेश्वर धाम जाने के लिए भी लोग इसी ट्रेन का सहारा लेते हैं। खजुराहो का झरना प्राकृतिक है, जो केन नदी से निकलता है। यहीं पर केन घड़ियाल सेंचुरी भी है, वो भी देखना न भूलें। ये नजारा सिर्फ सर्दियों के मौसम में देखने को मिलता है। इस समय तो पानी ही पानी है और मटमैले पानी से केन नदी सराबोर है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश का श्रेष्ठ प्रदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये है कि नगरीय क्षेत्र में जरूरतमंद पथ-विक्रेताओं को उनकी जरूरत के मुताबिक ऋण प्रदान करते हुए कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जाये। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पिछले तीन वर्षों से श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश लगातार पहले स्थान पर है। इस योजना में प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में हाथठेला चालकों, रेहड़ी पटरी वालों को 10, 20 और 50 हजार रूपये तक का ऋण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का क्रियान्वयन नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा किया जा रहा है। तीन वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया है कि प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पिछले तीन वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देशभर में पहले स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करता आया है। पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 12 लाख 30 हजार हितग्राहियों को करीब 1769.16 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 4 लाख 89 हजार पथविक्रेता सफलतापूर्वक डिजिटल लेन-देन कर रहे है। जिसमें उन्हें 21 करोड़ रूपये का कैशबेक भी प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये चयनित क्षेत्रों में हितग्राहियों को प्रशिक्षण भी दिलाया जा रहा है। प्रदेश में कोरोना काल के दौरान पूर्व में असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत पथ-विक्रेताओं को प्रदेश सरकार की ओर से एक-एक हजार रुपये की अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई गई थी। पथ-विक्रेताओं को निकायों द्वारा बैंकों के लिये निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के लिए चुनाव आज

ट्रंप या कमला हैरिस कौन बनेगा सरताज ?

इंटरनैशनल डैस्क. अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के लिए आज 5 नवंबर को निर्णायक चुनाव हो रहा है जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और उनके प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दौड़ वास्तव में अभूतपूर्व रही है। अब जब राष्ट्रपति के चुनाव में कुछ ही घंटों का समय रह गया है और मुकाबला अपने चरम पर पहुंच गया है, ऐसे में कई राजनीतिक पर्यवेक्षक नाटक नौटंकी, तीखी बयानबाजी, दुर्घटना, राजनीतिक वापसी की जोर आजमाइश से भरपूर तथा ऐतिहासिक रूप से काफी कड़े मुकाबले वाले अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के लिए हो रहे इस चुनाव को कई दशक में सबसे महत्वपूर्ण चुनावी दौड़ बता रहे हैं।

अपने चुनाव प्रचार अभियान के अंतिम दिनों में उपराष्ट्रपति हैरिस ने आशा, एकता, आशावाद और महिला अधिकारों के संदेश पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी पर निशाना साधने में उग्र रहे और उन्होंने यहां तक ????कहा कि हार की स्थिति में वह चुनाव परिणाम को स्वीकार नहीं कर सकते हैं। कुल मिलाकर हैरिस (60) और ट्रंप (78) दोनों के लिए यह उतार-चढ़ाव भरा चुनावी सफर रहा है। ट्रंप को मार्च में अपनी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए नामांकन मिला और जुलाई में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) में औपचारिक रूप से उन्हें नामांकन प्राप्त हुआ। कई अदालती मामलों के कारण महीनों तक राजनीतिक निष्क्रियता के बाद यह उनकी ऐतिहासिक वापसी थी। इस तरह, वह किसी गंभीर अपराध में दोषी ठहराए जाने के बाद विश्व के किसी भी देश में शीर्ष पद के लिए नामांकन पाने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए।

संचार रणनीतिकार अनंग मित्तल ने कहा, ''ट्रंप ने पिछले चार वर्षों में राजनीतिक संघर्ष के संदर्भ में रिचर्ड निक्सन (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति) के बाद सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी की है।%% रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएनसी) से कुछ ही दिन पहले पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान ट्रंप को निशाना बनाकर गोली चलाई गई। गोली उनके कान के ऊपरी हिस्से में लगी। कुछ ही मिनटों बाद, खून से लथपथ ट्रंप ने विरोध में अपनी मुट्ठी उठाई। इन तस्वीरों से उनके कट्टर समर्थकों के बीच उन्हें काफी भावनात्मक समर्थन मिला। हैरिस के लिए भी यह एक नाटकीय सफर रहा। जुलाई में राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दी। कुछ ही सप्ताह पहले ट्रंप के साथ टेलीविजन पर बहस के दौरान अपने निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वह सवालों के दायरे में आ गए थे। बाइडन (81) ने चुनावी दौड़ से बाहर होने पर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार के रूप में हैरिस को अपना उत्तराधिकारी बनाने का समर्थन किया।

आखिरकार अगस्त में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन ने औपचारिक रूप से हैरिस को राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। उन्होंने कन्वेंशन में अपने प्रभावशाली भाषण में कहा कि राष्ट्रपति चुनाव अतीत की कड़वाहट, निराशावाद और विभाजनकारी लड़ाइयों से आगे बढ़ने का एक अवसर होगा। अगर हैरिस यह चुनाव जीत जाती हैं, तो वह अमेरिका की राष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला, पहली अश्वेत महिला और दक्षिण एशियाई मूल की पहली व्यक्ति बन जाएंगी। पूरे चुनाव प्रचार अभियान में हैरिस ने इस चुनाव को देश की मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने वाले चुनाव के रूप में पेश किया।

वहीं, ट्रंप ने अपनी विशिष्ट आक्रामक बयानबाजी को जारी रखा और अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण और अमेरिका को अवैध अप्रवासियों से मुक्त करने का वादा किया है।

कनाडा में चरमपंथी ताकतों को बढ़ावा

भारतीय राजनयिकों की निगरानी अस्वीकार्य

विदेश मंत्री जयशंकर ने सुनाई खरी-खरी

नेशनल डेस्क. भारत और कनाडा के रिश्तों में हाल के दिनों में जो तनाव बढ़ा है, वह दिन-ब-दिन गहरा होता जा रहा है। हाल ही में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कनाडा को कड़ा जवाब देते हुए कहा कि कनाडा में चरमपंथी ताकतों को राजनीतिक जगह मिल रही है और भारतीय राजनयिकों पर निगरानी रखना अस्वीकार्य है। उनके इस बयान ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों में नया विवाद उत्पन्न किया है, जो पहले से ही कई मुद्दों पर तनावपूर्ण चल रहे हैं।

कनाडा पर निशाना, बिना ठोस जानकारी के आरोप

डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा ने एक पैटर्न बना लिया है, जिसमें बिना किसी ठोस जानकारी या प्रमाण के भारत पर लगातार आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा के इस रवैये से भारत में भारी असंतोष है, और यह कूटनीतिक दृष्टिकोण को गंभीरता से चुनौती देता है। विदेश मंत्री ने कनाडा पर आरोप लगाया कि वह भारत के खिलाफ कोई साक्ष्य के बिना बयानबाजी कर रहा है और इस तरह के आरोपों से संबंधों में और तनाव बढ़ रहा है।

राजनयिकों पर निगरानी रखना अस्वीकार्य

जयशंकर ने अपने बयान में यह भी कहा कि भारत के राजनयिकों पर निगरानी रखना कनाडा का यह कदम भारत के लिए पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उनका यह बयान उस समय आया जब कनाडा में भारतीय राजनयिकों की गतिविधियों पर निगरानी रखने का आरोप लगा था। भारत ने हमेशा अपनी विदेश नीति को स्पष्ट और निष्पक्ष तरीके से लागू किया है, लेकिन जब उस नीति को किसी तीसरे देश द्वारा चुनौती दी जाती है, तो भारत कठोर कदम उठाने के लिए बाध्य हो जाता है। उन्होंने कहा, भारत अपने राष्ट्रीय हितों, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए कभी भी किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। जब हमारे राजनयिकों को निशाना बनाया जाता है, तो हम बिना किसी झिझक के उचित प्रतिक्रिया देंगे।

कनाडा में चरमपंथी तत्वों को बढ़ावा

जयशंकर ने कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों के बढ़ते प्रभाव की भी आलोचना की। उनका कहना था कि कनाडा में ऐसे चरमपंथी समूहों को राजनीतिक स्पेस मिल रहा है, जो भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय हैं। उन्होंने इसे एक गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि ऐसे तत्वों को प्रोत्साहित करना भारत के लिए बिल्कुल अस्वीकार्य है। इस प्रकार के आरोप और घटनाएं दोनों देशों के रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना रही हैं।

भारत ने कनाडा को दिया जवाब

यह पहली बार नहीं है जब विदेश मंत्री ने कनाडा के खिलाफ प्रतिक्रिया दी है। पिछले महीने, 27 अक्टूबर को, डॉ. जयशंकर ने कहा था कि भारत ने कनाडा में संगठित अपराध और खालिस्तान समर्थक गतिविधियों को लेकर कई बार चिंता व्यक्त की थी, लेकिन कनाडा की सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कनाडा की सरकार भारत की चिंताओं को नजरअंदाज कर रही थी, और भारत ने अब इस पर कड़ा कदम उठाया है।

निज्जर हत्याकांड

कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक विवाद का मुख्य कारण 13 अक्टूबर 2024 को कनाडा द्वारा उठाए गए आरोप थे। कनाडा ने भारत के उच्चायुक्त संजय वर्मा को हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच में शामिल किया था। निज्जर, जो एक कट्टरपंथी खालिस्तानी समर्थक थे, उनकी हत्या कनाडा में हुई थी। हालांकि, इस मामले में आगे की कार्रवाई से पहले ही भारत ने प्रतिक्रिया देते हुए संजय वर्मा और पांच अन्य भारतीय राजनयिकों को वापस बुला लिया। इसके अलावा, भारत ने छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया, जिससे विवाद और बढ़ गया। इस घटना के बाद ओटावा ने भारत के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया था, जिसे भारत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया। भारत ने स्पष्ट किया कि अगर कनाडा भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाता है, तो भारत भी उसी तरह की कार्रवाई करेगा। भारत का मानना है कि ऐसे आरोप केवल कूटनीतिक रिश्तों को नुकसान पहुंचाते हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन करते हैं।

भारत के कड़े कदम

कनाडा में बढ़ती खालिस्तान समर्थक गतिविधियों और भारत विरोधी नफरत को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अखंडता और संप्रभुता के मामलों में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप को भारत स्वीकार नहीं करेगा और समय आने पर कड़े कदम उठाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में यदि किसी भी प्रकार की कूटनीतिक गतिविधियों को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है, तो भारत को अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी कदम उठाने का पूरा अधिकार है।

पन्नू की धमकी और एयर इंडिया का मुद्दा

इसके अलावा, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया के खिलाफ एक वीडियो जारी किया था, जिसमें उसने यात्रियों को चेतावनी दी थी कि वे एयर इंडिया की उड़ानों में यात्रा न करें।

पन्नू का आरोप था कि एयर इंडिया खालिस्तान समर्थक तत्वों को निशाना बना रहा है। इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, भारत सरकार को एयर इंडिया या उसके यात्रियों के खिलाफ किसी प्रकार के विशेष खतरे का कोई संज्ञान नहीं है। यदि एयर इंडिया के खिलाफ कोई खतरा होता है, तो भारत सरकार समय रहते कदम उठाएगी।

भारत और कनाडा के रिश्तों की दिशा

कनाडा-भारत के रिश्तों में यह तनाव तब और बढ़ गया जब कनाडा में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाना और खालिस्तान समर्थक तत्वों को प्रोत्साहन दिया गया। इन घटनाओं के बाद भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपनी राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए किसी भी प्रकार की कूटनीतिक तिकड़म को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत ने कनाडा से यह भी अपेक्षाएं जताई कि वह भारत की चिंताओं को गंभीरता से ले और कूटनीतिक व्यवहार में सुधार करे। साथ ही, कनाडा को यह याद दिलाया गया कि भारत के साथ रिश्तों में बढ़ती अशांति से दोनों देशों को नुकसान हो सकता है, खासकर जब विश्व राजनीति में दोनों देशों की भूमिका को देखा जाए।

कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक रिश्तों में उथल-पुथल और विवाद बढ़ता जा रहा है। जहां एक ओर कनाडा भारतीय राजनयिकों पर आरोप लगा रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत ने अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करने के लिए सख्त कदम उठाने का स्पष्ट संकेत दिया है। अब यह देखना होगा कि दोनों देशों के रिश्तों में इस तनाव का क्या असर पड़ेगा और क्या दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में कोई सुधार होगा या स्थिति और बिगड़ेगी।

मंदिरों में कनाडाई नेताओं की एंट्री पर लगी रोक

खालिस्तानियों के हमले के बाद हिंदू संगठनों का सख्त फरमान

इंटरनेशनल डेस्क. कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तानी कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू मंदिरों पर हमलों के बाद, कैनेडियन नेशनल काउंसिल ऑफ हिंदू ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस परिषद ने खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एक बड़ा फैसला लिया है।

नेताओं की मंदिरों में एंट्री पर रोक

CNCH ने घोषणा की है कि कनाडा में सभी नेताओं को हिंदू मंदिरों में राजनीतिक उद्देश्यों के लिए प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक खालिस्तानी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती और मंदिरों की सुरक्षा पुख्ता नहीं की जाती। हालांकि, नेताओं को भक्त के रूप में मंदिर में आने की अनुमति होगी।

ब्रैम्पटन में हिंसक घटना

ष्टह्लष्ट॥ ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि ब्रैम्पटन में गोर रोड स्थित एक हिंदू मंदिर को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों ने निशाना बनाया। इस हिंसक घटना ने कनाडा के हिंदू समुदाय में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी मंदिर के मुख्य द्वार पर इकट्ठा हुए, परिसर में जबरन घुस गए और मंदिर के सदस्यों पर हमला किया, जिससे समुदाय में हड़कंप मच गया।

हिंदू कनाडाई लोगों को टारगेट

यह हमला विशेष रूप से हिंदू कनाडाई लोगों को निशाना बनाते हुए किया गया है। यह हिंदुओं पर हो रहे खतरनाक हमलों की एक और कड़ी है। हिंदू पूजा स्थलों की सुरक्षा को लेकर बार-बार आवाज उठाई गई है, लेकिन नेताओं ने अभी तक इस बढ़ती दुश्मनी को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

प्रेस रिलीज में कहा गया है कि ब्रैम्पटन में हुई घटना के बाद CNCH और हिंदू फेडरेशन ने मंदिरों और हिंदू वकालत समूहों के साथ मिलकर यह निर्णय लिया है। कनाडा भर में हिंदू मंदिर अब राजनेताओं को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अपनी सुविधाओं का उपयोग नहीं करने देंगे। चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों, वे भक्त के रूप में आ सकते हैं, लेकिन जब तक वे खालिस्तानी कट्टरपंथ के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाते, तब तक उन्हें मंदिर के चबूतरे तक पहुंच नहीं मिलेगी।

भारतीय राजनयिकों ने कहा- कनाडा ने भारतीय अधिकारियों की निगरानी करके अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया

इंटरनैशनल डैस्क. पूर्व भारतीय राजनयिकों ने कहा है कि कनाडा ने भारतीय अधिकारियों की निगरानी करके अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है। न्यू दिल्ली में, पूर्व राजनयिकों ने कनाडाई अधिकारियों की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। जेके त्रिपाठी, एक पूर्व राजनयिक, ने बताया कि किसी भी देश को यह अधिकार नहीं है, लेकिन कनाडा की सरकार ने यह किया है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने भारत के गृह मंत्री पर इसे लेकर आरोप भी लगाया है और अब भारत को कनाडा के लिए चार साइबर खतरों वाले देशों में डाला है। 1961 का वियना संधि के अनुसार, देशों को एक-दूसरे के राजनयिकों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए, यह निर्धारित किया गया है। इस संधि के अनुसार, राजनयिकों को कुछ कानूनों और करों से छूट होती है और उन्हें बिना डर या धमकी के अपनी जिम्मेदारियां निभाने की स्वतंत्रता होती है। त्रिपाठी ने कहा कि इस तरह, कनाडा ने भारत को दुश्मन देश घोषित किया है, जो कि बहुत ही चिंताजनक और गंभीर है। एक अन्य पूर्व राजनयिक वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि कनाडा की इस कार्रवाई का भारतीय सरकार से कड़ा जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, केवल कनाडा की निंदा करना काफी नहीं है... कनाडा ने सभी राजनीतिक और राजनयिक सीमाओं का उल्लंघन किया है। वियना संधि के अनुच्छेद 29 के अनुसार, राजनयिकों को गिरफ्तारी या निरोधी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता। मेज़बान देश को राजनयिक का सम्मान करना होता है और उसकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना होता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने कनाडा सरकार के खिलाफ औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। मंत्रालय ने कनाडाई अधिकारियों द्वारा भारतीय राजनयिकों की ऑडियो और वीडियो निगरानी की खबरों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे राजनयिक और सांध्यक्षीय संधियों का खुला उल्लंघन बताया है। MEA के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि कुछ भारतीय राजनायकों को कनाडा सरकार द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि उनकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कनाडा की कार्रवाई को गलत बताते हुए इसे भारतीय राजनयिकों का उत्पीड़न और धमकी करार दिया।

MEA ने हाल ही में कनाडा सरकार द्वारा गृह मंत्री अमित शाह पर अपमानजनक आरोप लगाने पर भी विरोध जताया है। मंत्रालय ने इसे *absurd* और *baseless* करार देकर कनाडा के खिलाफ औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। भारत और कनाडा के बीच तनाव तब बढ़ा जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में यह आरोप लगाया कि भारत की ओर से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में विश्वसनीय आरोप हैं।

इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर अबू अली रिदा को हवाई हमले में मार गिराया

इंटरनैशनल डैस्क. इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने एक शीर्ष हिज़बुल्लाह कमांडर, अबू अली रिदा को मार गिराया है। सेना का कहना है कि रिदा दक्षिणी लेबनान के बरा?अचित क्षेत्र का कमांडर था और इज़राइली सेना पर रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल हमलों की योजना बना रहा था और उन पर हमले करवा रहा था।

सेना ने एक बयान में बताया कि रिदा हिज़बुल्लाह के अन्य आतंकवादी गतिविधियों की भी निगरानी कर रहा था और उसे एक हवाई हमले में मार गिराया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि उसे कब मारा गया।

सितंबर के अंत में इज़राइल और हिज़बुल्लाह के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से इज़राइल लगातार लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में इज़राइल ने हिज़बुल्लाह के कई प्रमुख नेताओं को मार गिराया है, जिसमें संगठन के पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह भी शामिल हैं। इस युद्ध की शुरुआत दोनों के बीच लगभग एक साल से चल रही सीमा पर झड़पों के बाद हुई। हिज़बुल्लाह ने अपने साथी संगठन हमास के समर्थन में उत्तरी इज़राइल पर लगातार रॉकेट दागने शुरू किए, जिसके बाद इज़राइल ने गाज़ा में हमास के खिलाफ अपना सबसे घातक युद्ध छेड़ दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569